शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paà¿er : www.goodluckà¿ublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 240 | गुवाहाटी | रविवार, 5 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा असम में इस बार हैट्रिक लगाएगी : सोनोवाल पेज 2
कांग्रेस की मीडिया आधारित लामबंदी पर सोनोवाल का हमला पेज 3
केंद्र सरकार और सुरक्षाबलों ने मिलकर नक्सलवादी शक्तियों का पूर्ण रूप... पेज 5
आईपीएल 2026 : सीएसके पर जीत के बाद पंजाब किंग्स को झटका, धीमी... पेज 7

चुनाव से पहले धुबड़ी में हाई अलर्ट, सीएपीएफ और राज्य बलों ने निगरानी की तेज

धुबड़ी। 9 अप्रैल को होने वाले असम विधानसभा चुनावों से पहले धुबड़ी जिले भर में सुरक्षा व्यवस्था को काफी बढ़ा दिया गया है और एक बहुस्तरीय तैनाती रणनीति पहले से ही लागू है। धुबड़ी के पुलिस अधीक्षक देबाशीष बोरा ने कहा कि एक व्यापक परिचालन योजना के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और राज्य सशस्त्र पुलिस इकाइयों को पूरे जिले में तैनात किया गया है। हम अपनी योजनाओं के अनुसार काम कर रहे हैं। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और राज्य सशस्त्र पुलिस को पहले ही धुबड़ी में तैनात कर दिया गया है, बोरा ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षाकर्मी संवेदनशील और सामान्य दोनों प्रकार के स्थानों में सक्रिय रूप से क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित करने का अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल संवेदनशील और स्थानीय क्षेत्रों में नियमित रूप से गश्त कर रहे हैं। वाहनों से मार्च और पैदल गश्त नियमित -शेष पृष्ठ दो पर

विस चुनाव के बीच सीआरपीएफ जवानों की छुट्टियां रद्द, फौरन ड्यूटी पर लौटने का आदेश

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ में जवानों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। बल मुख्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है ताकि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में निर्धारित संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की जा सके। छुट्टी पर गए जवानों से कहा गया है कि वे फौरन अपनी ड्यूटी पर वापस लौटें। उन्हें अपनी बटालियन या पूर्व तैनाती वाली जगह पर नहीं, बल्कि सीधे वहां रिपोर्ट करना है, जहां उनकी कंपनी को चुनाव में भेजा गया है। इस पहले चुनावी ड्यूटी के कारण कि समर

चेन ट्रांसफर पर भी रोक लगाई गई थी। सीआरपीएफ महानिदेशालय द्वारा दो अप्रैल को जारी आदेशों में कहा गया है कि छुट्टी से वापस लौटने का आदेश (कोबरा को छोड़कर) बल के सभी सेक्टरों के लिए जारी हुआ है। सभी जोन और फोरमेशन (महानिदेशालय को छोड़कर) भी उक्त आदेश के दायरे में आएंगे। आदेश में कहा गया है कि अप्रैल और मई में पांच राज्यों असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर हो रही केंद्रीय बलों की तैनाती के मद्देनजर जवानों को -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो व्यक्ति दुसरो के काम मे न आए, वास्तव मे वो मनुष्य नहीं है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

बिहू और दुर्गा पूजा में मिलेंगे मुफ्त एलपीजी : सीएम ने किया वादा

गुवाहाटी। असम में एलपीजी आपूर्ति में व्यवधान और कालाबाजारी के आरोपों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को घोषणा की कि *पात्र* परिवारों को बिहू और दुर्गा पूजा के दौरान मुफ्त एलपीजी सिलेंडर मिलेंगे। हमने यह निर्णय लिया है कि बिहू और दुर्गा पूजा के दौरान प्रत्येक पात्र परिवार को एक एलपीजी सिलेंडर मुफ्त मिलेगा। लोगों को इन दो सिलेंडरों का खर्च वहन नहीं करना पड़ेगा, मुख्यमंत्री ने महमोरा एलएसी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा। हालांकि, शर्मा ने पात्रता मानदंडों का विस्तृत विवरण देने से परहेज किया। मुख्यमंत्री की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब असम में एलपीजी की उपलब्धता को लेकर संकट जैसी स्थिति बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण वितरण नेटवर्क में कथित अनियमितताएं हैं। व्यापक शिकायतों के बाद तेल विपणन कंपनियों ने 2,000 से अधिक निरीक्षण किए हैं और 18 वितरकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया रिपोर्टों और ग्राहकों की शिकायतों के माध्यम से अनियमितताओं का पता चला। इस स्थिति का दैनिक जीवन पर, विशेष रूप से खाद्य सेवा क्षेत्र पर, स्पष्ट प्रभाव पड़ा है। एलपीजी की अनियमित आपूर्ति के कारण कई सड़क किनारे स्थित भोजनालय और रेस्तरां या तो अस्थायी रूप से बंद हो गए हैं या उन्होंने अपना संचालन सीमित कर दिया है। कई प्रतिष्ठानों ने बिजली के चूल्हे, डीजल से चलने वाले भट्टे और लकड़ी जैसे वैकल्पिक तरीकों का सहारा लिया है। इन चुनौतियों के बावजूद, सरकार का कहना है कि राज्य में ईंधन की कोई वास्तविक कमी नहीं है। इससे पहले, एक जन अपील में शर्मा ने कहा कि असम में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है। चिंता का कोई कारण नहीं है, और मैं लोगों से आग्रह करता हूं कि वे घबराकर खरीदारी न करें। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर एलपीजी आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की गई है। घरेलू उपभोक्ताओं को पूरी एलपीजी मिल रही है, जबकि वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन में हाल ही में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जिससे सुधार मानदंडों के अनुपालन के बाद यह बढ़कर 70 प्रतिशत हो गया है। महमोरा एलएसी में रोजगार योजना का विवरण देते हुए, शर्मा ने कहा कि भर्ती विभिन्न क्षेत्रों में होगी, जिसमें 25,000 पुलिस कर्मियों, शिक्षकों और ग्रेड थ्री और टू पदों के साथ-साथ नर्सों, डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, इंजीनियरों और जूनियर इंजीनियरों के लिए नौकरियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, हम एक लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, साथ ही उन्होंने चावल, दालें, सरसों का तेल, चाय और नमक जैसी आवश्यक वस्तुओं के माध्यम से कल्याणकारी सहायता का वादा भी किया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भाजपा के सत्ता में वापस आने पर सभी बच्चों की शिक्षा का खर्च सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि माता-पिता को अब अपने बच्चों की शिक्षा के खर्च की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। स्थानीय विकास पर जोर देते हुए, शर्मा ने निर्वाचन क्षेत्र में एक पुलिस प्रशिक्षण अकादमी स्थापित -शेष पृष्ठ दो पर

असम में यूसीसी से बाहर रहेंगे आदिवासी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम में लागू किए जा रहे समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया और आदिवासी समुदायों की स्थिति स्पष्ट की। सीएम शर्मा ने कहा कि आदिवासियों को यूसीसी से अलग रखा जाएगा। उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बुधवार को गोगामुख में हुई जनसभा के बाद आई है, जहां पीएम ने असम में समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प लिया और आदिवासी परंपराओं, छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की रक्षा और असम की पहचान को संरक्षित करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हमारी बेटियों के साथ कोई धोखा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की गई हैं ताकि उनकी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। सीएम शर्मा ने आगे कहा कि असम में समान -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

ईरान से भारतीय मछुआरों की सुरक्षित वापसी

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को ईरान में फंसे भारतीय मछुआरों की सुरक्षित निकासी में सहयोग के लिए आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारात मिर्जोयान और वहां की सरकार का आभार व्यक्त किया। डॉ. जयशंकर ने सोशल -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव पूर्व हिंसा भड़कने से नगांव में तनाव का माहौल

रोहा। शामागुड़ी विधानसभा क्षेत्र (एलएसी) से कथित तौर पर चुनाव-पूर्व हिंसा की कई घटनाओं, जिनमें तोड़फोड़ और आगजनी शामिल हैं, की रिपोर्ट के बाद विधानसभा चुनावों से पहले नगांव जिले के कुछ हिस्सों में तनाव बढ़ गया है। काठपाड़ा में, उपद्रवियों ने कथित तौर पर भाजपा के चुनाव कार्यालय में तोड़फोड़ की, जिससे बैनर और प्रचार सामग्री क्षतिग्रस्त हो गई। भाजपा उम्मीदवार अनिल सैकिया के समर्थकों ने आरोप लगाया कि इस -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव 26 : अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल करेगा असम का दौरा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में आगामी विधानसभा सामान्य चुनाव 2026 के मद्देनजर अंतर्राष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल 8 और 9 अप्रैल को राज्य का दौरा करेगा। यह दौरा इंटरनेशनल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम के तहत आयोजित किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस प्रतिनिधिमंडल में अंगोला, भूटान, मिस्र, पुर्तगाल, श्रीलंका, मेक्सिको, बेनिन और क्रोएशिया सहित विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस पहल का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को भारत की चुनावी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर प्रदान -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल के भ्रष्ट सीएम कहने पर डॉ. शर्मा ने साधा निशाना, कहा-

मुझे गिरफ्तार करने के लिए दोबारा जन्म लेना पड़ेगा

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव की तारीख करीब आ रही है और राजनीतिक पार्टियों के बीच वोटों की लड़ाई तेज होती जा रही है। असम से मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज शनिवार को चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें गिरफ्तार करने के लिए इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और खुद राहुल को भी दोबारा जन्म लेना पड़ेगा। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी। श्रीभूमि में बोलते हुए सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि वे हिमंत विश्व शर्मा को गिरफ्तार करेंगे, उन्हें बता दूं कि इसके लिए इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और राहुल गांधी को -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने सोरेन का किया स्वागत कहा- असम की प्रगति देखिए

गुवाहाटी/विश्वनाथ। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का राज्य में स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें असम के तीव्र विकास, विशेष रूप से चाय बागान क्षेत्रों में, को देखने का अवसर मिलेगा। ऊपरी असम में अपने चुनाव प्रचार के दौरान प्रेस से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि मैं हेमंत सोरेन का असम में स्वागत करता हूं। वे यहां पिछले कुछ वर्षों में हुए विकास को देख सकते हैं। वे चाय बागानों का दौरा -शेष पृष्ठ दो पर

ओवैसी मियां समुदाय को बना रहे हैं हथियार : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 4 अप्रैल को असदुद्दीन ओवैसी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि एआईयूडीएफ के समर्थन में असम दौरे के दौरान उनके चुनावी भाषणों का मकसद राजनीतिक लाभ के लिए मियां समुदाय का इस्तेमाल करना है। उन्होंने कांग्रेस पर ऐसे बयानों पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। शर्मा ने दावा किया कि कांग्रेस ने चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने और मतदाताओं को धार्मिक आधार पर ध्रुवीकृत करने के लिए ओवैसी को असम में भेजा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ओवैसी के भाषणों से आबादी के कुछ खास वर्गों को लामबंद करने की कोशिशें झलकती हैं। कांग्रेस को निशाना बनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी ऐसे बयानों की आलोचना करने में विफल रही है और यूनुस तमूली और यूनुस अली जैसे लोगों से जुड़े विवादास्पद बयानों और घटनाओं पर चुप रही है। अपने चुनावी विश्वास को दोहराते हुए शर्मा ने कहा कि भाजपा 90-100 -शेष पृष्ठ दो पर

मालदा में ममता बनर्जी की सुरक्षा में बड़ी चूक

हेलीकॉप्टर के पास ड्रोन से मचा हड़कंप, तीन गिरफ्तार

मालदा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जब एक चुनावी रैली में भाग लेने के बाद मालदा के मालतीपुर से गाजोल के लिए रवाना हो रही थीं, तभी उनके हेलीकॉप्टर के पास एक ड्रोन देखा गया। इस घटना से सुरक्षा जगत में गंभीर चिंता फैल गई और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें बनर्जी के हेलीकॉप्टर में चढ़ने की कोशिश करते समय ड्रोन उनके हेलीकॉप्टर के पास उड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बैकग्राउंड में लोगों को -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की कांग्रेस को सख्त चेतावनी

पश्चिम एशिया पर बेतुके बयान बंद करें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की पश्चिम एशिया संकट के बारे में गैर-जिम्मेदाराना और बेतुकी टिप्पणियों के लिए आलोचना की, जिससे खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। पथानामथिट्टा के तिरुवल्ला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भारत के विरुद्ध शत्रुतापूर्ण बयान देकर पश्चिम एशियाई देशों के साथ अविश्वास पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य जनता में दहशत फैलाकर राजनीतिक लाभ प्राप्त करना और भारतीय प्रवासियों के जीवन को खतरे में डालकर भी उन पर गालियां बरसाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि पश्चिम एशियाई देश भारत को अपना दुश्मन मानें, कि हम यहां कोई गलती करें, कोई बयान दें, और खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों को परेशानी हो, इसलिए कांग्रेस ऐसे बयान दे रही है जिससे खाड़ी देश नाराज हों। कांग्रेस दहशत फैलाना चाहती है, और मोदी पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का मौका चाहती है। केरलवासियों की सुरक्षा को अपनी सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव अस्थायी होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं कांग्रेस, एलडीएफ और यूडीएफ -शेष पृष्ठ दो पर

बुशहर न्यूक्लियर प्लांट पर हमला, ईरान की चेतावनी-

रेडियोएक्टिव रेडिएशन से तबाह होंगे खाड़ी देश

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शनिवार को पश्चिमी देशों के *दोहरे मापदंड* की कड़ी निंदा की। उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष की शुरुआत के बाद से चौथी बार इस्लामिक गणराज्य के बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए हमलों पर पश्चिमी देशों की प्रतिक्रिया में अंतर की तुलना यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास हुई शत्रुता पर की गई प्रतिक्रिया से की। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि क्या आपको यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास हुई शत्रुता पर पश्चिमी देशों की नाराजगी याद है? इजराइल और अमेरिका ने हमारे बुशहर संयंत्र पर चार बार बमबारी की है। -शेष पृष्ठ दो पर

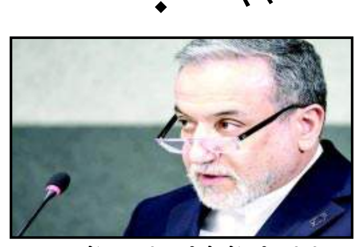

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements à¿lease contact

97070-14771
86382-00107

भाजपा असम में इस बार हैट्रिक लगाएगी : सोनोवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। असम विधानसभा चुनाव के प्रचार में जोरशोर से जुटे केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल का दावा है कि राज्य में भाजपा को 100 से अधिक सीटों पर विजय मिलेगी। राज्य में लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व में राजग की सरकार बननी तय है। सोनोवाल ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि चुनाव में भाजपा सरकार ने 10 साल की उपलब्धियों को प्रमुखता से सामने रखा है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने राज्य में विकास के व्यापक कार्य किए हैं। इन विकास कार्यों को जनता भी बखूबी समझ रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 से 2026 के बीच असम में सड़कों, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण और सुधार, अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाना और स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति जैसे बुनियादी ढांचे और कल्याण योजनाओं पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि साल 1947 से 2016 तक केंद्र और राज्य में कांग्रेस शासन के बावजूद मौलिक सुविधाएं भी लोगों को नहीं मिली। असम के लोगों ने बार-बार इसके लिए आंदोलन भी किया लेकिन कांग्रेस ने तनिक भी इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके बदले उन्होंने सिस्टम में भ्रष्टाचार से लेकर बांग्लादेशी घुसपैठियों को जगह दी। इसके पीछे उनका उद्देश्य बस उन घुसपैठियों की बदौलत सत्ता में बने रहना था। पूर्व मुख्यमंत्री सोनोवाल ने कहा कि बीते 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शौचालय, उज्ज्वला योजना के तहत गैस और जनधन योजना के तहत सभी के खाते खुलवाये। संस्कृति की बात की जाये तो हमने असमियां भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलवाया। हमारी सांस्कृतिक धरोहर, जैसे बागुरुम्बा नृत्य (बोडो समुदाय का एक और प्रसिद्ध नृत्य है), बिहू (असम का प्रसिद्ध लोक नृत्य), भोरताल (पारंपरिक ताल वाद्य के साथ किया जाने वाला नृत्य) चाय बागान का झुमुर नृत्य ऐसे अनेक कार्य हैं जिनको हमने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई। जहां तक चुनाव का सवाल है हम इस बार फिर असम में सरकार बना रहे हैं और 100 से अधिक सीटों पर भाजपा को विजय मिलेगी। उन्होंने कहा कि गैर कानूनी ढंग से जिन भी घुसपैठियों ने हमारे बाप-दादाओं की जमीन कब्जा कर रखा था, उसको वापस लेने का काम हमने किया है। मई के आंकड़ों के आधार पर काजीरंगा में घुसपैठिए थे उन्हें हमने निकाला। उन्होंने वहां जमीन ही कब्जा नहीं कि थी बल्कि वहां के जानवरों का शिकार कर उसकी तस्करी भी करते थे। काजीरंगा में एक सिंह वाला गेंडा, दुनिया का सबसे कीमती जानवर है। हमारी सरकार आते ही पहला काम हमने घुसपैठियों को बाहर किया।

भाजपा कार्यालय पर ग्रेनेड हमले का खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में सेक्टर-37 स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर हुए ग्रेनेड हमले का खुलासा किया है। इस मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, एक .30 बोर जिगाना पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बलविंदर लाल उर्फ शम्मी (गांव माजरी, एसबीएस नगर), जसवीर सिंह उर्फ जस्सी (गांव भरापुर, एसबीएस नगर), चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी (गांव सुजावलपुर, एसबीएस नगर), रूबल चौहान (गांव ठाणा, शिमला) और मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा (धूरी, संगरूर) के रूप में हुई है। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह मॉड्यूल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन से संचालित हो रहा था और इसके विदेशी हैंडलर पुर्तगाल और जर्मनी में बैठे हुए थे। यह एक संगठित नेटवर्क था, जिसमें कई स्तरों पर काम करने वाले सदस्य और सब-मॉड्यूल शामिल थे।उन्होंने बताया कि इस हमले में शामिल दो मुख्य आरोपितों की पहचान भी कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गौरतलब है कि बुधवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय के बाहर ग्रेनेड हमला किया गया था। इस संबंध में एआईजी स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), एसएएस नगर दीपक पारीक ने बताया कि जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने हथियारों और ग्रेनेड की खेप को अलग-अलग माध्यमों से आगे बढ़ाया, जो अंततः हमलावरों तक पहुंचाई गई। उन्होंने कहा कि पुर्तगाल में बैठे हैंडलर के निर्देश पर आरोपियों ने आपसी तालमेल से इस हमले को अंजाम दिया। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। इस मामले में एफआईआर नंबर चार के तहत शस्त्र अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

बलोचिस्तान में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के 86 जवान मारे गए, बीएलए ने लिया जिम्मा

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में आजादी की मांग को लेकर मुखर सशस्त्र विद्रोही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के 86 जवानों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलए ने कहा कि सेना के कई रडार नष्ट कर दिए हैं। सैन्य काफिले, हवाई अड्डा और मौत के दस्ते पर हमले कर सुरक्षा बलों को पीछे हटने को मजबूर कर दिया गया। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए एक्स पर वीडियो जारी किया है। यह वीडियो 14 मिनट का है। इस वीडियो में रडार प्रणालियों का विनाश, शम्सी एयरबेस पर रॉकेट से हमला, झाल मगसी पर हमले, सोराब और कुर्दगाप में सैन्य काफिलों पर हमले और कदन और मस्तुंग में सैन्य शिविरों पर हमले दिखाए गए हैं। वीडियो में दावा किया गया है कि बीएलए ने दलबांदिन में खनन स्थल पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। पंजगुर में पाकिस्तान सरकार समर्थित समूह मौत का दस्ता के मुख्यालय पर हमला कर उस पर कब्जा कर लिया गया है। वीडियो में पाकिस्तान की सेना के सैन्य वाहनों, हथियारों और अन्य सैन्य उपकरणों को जलाते हुए दिखाया गया है।

पाकिस्तान में पेट्रोल कीमतों से हाहाकार!

सिंध में दोगुनी महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता

इस्लामाबाद। अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच ईंधन की कीमतों में कुछ ही हफ्तों में लगभग दोगुनी बढ़ोतरी के बाद सिंध के राष्ट्रवादी नेतृत्व ने सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन का जोरदार आह्वान किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस तीव्र वृद्धि से मुद्रास्फीति और जीवनयापन की लागत पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंध यूनाइटेड पार्टी (एसयूपी) के अध्यक्ष सैयद जैन शाह ने नागरिकों से सड़कों पर उतरने का आग्रह करते हुए कहा कि हालिया मूल्य वृद्धि ने आम लोगों पर असहनीय बोझ डाल दिया है। उन्होंने मांग की कि सरकार या तो संघर्ष के बाद की गई बढ़ोतरी को वापस ले या इस्तीफा दे दे। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ोतरी का पैमाना आर्थिक रूप से विनाशकारी है और जनता की सहनशीलता से परे है। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से पेट्रोलियम उत्पादों पर सभी करों और शुल्कों को तुरंत समाप्त करने का आह्वान किया ताकि कीमतों को स्थिर किया जा सके। शाह ने सरकार के आर्थिक दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि नागरिकों को गलत नीतिगत निर्णयों के कारण नुकसान नहीं उठाना चाहिए। इस बीच, कौमी अवामी तहरीक (कअत) के नेता अयाज लतीफ पालिजो ने पांच दिनों तक चलने वाले प्रांतव्यापी विरोध अभियान की घोषणा की। उन्होंने ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण अनियंत्रित मुद्रास्फीति की निंदा की।

शशि थरूर के ड्राइवर और गनमैन पर हमला, एक आरोपी हिरासत में

नई दिल्ली। केरल के मलप्पुरम जिले में बीते शुक्रवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर के काफिले पर हमला हुआ। यह घटना तब हुई जब थरूर आंध्र प्रदेश के अनिल कुमार के लिए प्रचार करने वांडूर आए थे। बताया जा रहा है कि थरूर के काफिले से जुड़े गनमैन और ड्राइवर पर कथित तौर पर हमला किया गया। पुलिस के मुताबिक इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस सांसद जब वांडूर में एक चुनावी प्रचार कार्यक्रम में जा रहे थे, तब उनके काफिले को थिरुवल्ली चेल्लीथोडु पुल के पास बाइक पर सवार कुछ लोगों ने रोक दिया। जब गनमैन ने उन्हें हटाने की कोशिश की तो बाइक सवार लोगों ने उस पर और ड्राइवर पर कथित तौर पर हमला कर दिया। पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) के मुताबिक यह घटना शुक्रवार शाम लगभग 7:30 बजे चेलेथोडे पुल के पास हुई। उस समय सांसद शशि थरूर कांग्रेस नेता ए पी अनिलकुमार के चुनाव प्रचार कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। बताया जा रहा है कि सड़क पर जाम की स्थिति थी जिसके चलते काफिले की गति धीमी हो गई। एफआईआर में कहा गया है कि दो वाहनों में पांच लोग सवार होकर आए उन्होंने सांसद के वाहन को रोक दिया। जब गनमैन रतीश के.पी. ने रास्ता साफ करने की कोशिश की, तो उन पर और ड्राइवर पर हमला कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि सड़क संकरी थी और गनमैन ने केवल आगे चल रहे वाहन को तेजी से आगे बढ़ने के लिए कहा था, ताकि काफिले को रास्ता मिल सके। वांडूर पुलिस ने गनमैन की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। देर रात एक आरोपी को हिरासत में लिया गया, जबकि अन्य चार आरोपियों की पहचान कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना के बाद वीआईपी सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभी तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि हमले के पीछे कोई स्पष्ट राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता या साजिश है या नहीं।

राजस्थान एचसी ने एसआई भर्ती 2021 परीक्षा को पूरी तरह से किया रद्द

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बहुचर्चित सब-इंस्पेक्टर भर्ती-2021 परीक्षा को पूरी तरह से रद्द करने का आदेश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा की खंडपीठ ने एकलपीठ के फैसले पर मुहर लगा दी है। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद 859 सब इंस्पेक्टर एक झटके में सड़क पर आ गए हैं। उनसे अब खाकी छिनेगी। कार्यवाहक जस्टिस एस.पी. शर्मा की खंडपीठ ने एकलपीठ द्वारा 28 अगस्त 2025 को सुनाए गए फैसले को सही मानते हुए सरकार और चयनित अभ्यर्थियों की अपीलों को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने माना कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपरलीक, धांधली और अनियमितताएं हुई थीं, जिससे पूरी चयन प्रक्रिया की शुचिता भंग हो गई थी। हालांकि खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण राहत देते हुए एकलपीठ द्वारा राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्यों के खिलाफ लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान को रद्द कर दिया। कार्यवाहक सीजे की खंडपीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि जब परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हों और जांच में पेपरलीक के पुख्ता प्रमाण मिलें, तो पूरी भर्ती प्रक्रिया को निरस्त करना ही एकमात्र विकल्प बचता है। कोर्ट ने एकलपीठ के उस तर्क को सही माना जिसमें कहा गया था कि *दूषित* चयन प्रक्रिया से ईमानदार अभ्यर्थियों का हक मारा गया है। इसके बाद कोर्ट ने पुलिस भर्ती परीक्षा में से एक सब-इंस्पेक्टर भर्ती-2021 परीक्षा को रद्द करने का फैसला सुनाया। बताया जा रहा है कोर्ट द्वारा भर्ती रद्द होने से हजारों अभ्यर्थियों को बड़ा झटका लगा है, लेकिन कोर्ट ने उनके हितों का ध्यान रखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्देश दिया है।

पृष्ठ एक का शेष

चुनाव से पहले धुबड़ी में ...

रूप से की जा रही है। जिला पुलिस ने पिकेट, स्टैटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) और फ्लाइंग सर्विलांस टीम (एफएसटी) सहित स्थिर निगरानी के उपाय भी लागू किए हैं। बोरा ने पुष्टि की कि कानूनी प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करते हुए प्रवर्तन गतिविधियां चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कानून के अनुसार जब्ती और छापेमारी जारी है। सीमा से सटे मतदान केंद्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। धुबड़ी में अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के निकट स्थित 85 मतदान केंद्र हैं। बोरा ने कहा कि इन क्षेत्रों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के समन्वय से गहन गश्त और विश्वास-निर्माण उपायों के साथ लक्षित तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। मतदाताओं को आश्वस्त करते हुए, एसपी ने कहा कि वर्तमान में चुनावी प्रक्रिया को *कोई खतरा नहीं* है। समन्वय के प्रयास राज्य की सीमाओं से परे भी बढ़ाए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल, विशेष रूप से कूचबिहार जिले की पुलिस और प्रशासन के साथ घनिष्ठ समन्वय में हैं। धुबड़ी की अनूठी नदी-तटीय भौगोलिक स्थिति को देखते हुए, विशेष पुलिस इकाइयों को भी सक्रिय कर दिया गया है। धुबड़ी, गौरीपुर और चापर स्थित नदी तटीय पुलिस स्टेशन लगातार गश्त में लगे हुए हैं, और बीएसएफ के जल विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं। इन उपायों के लागू होने के बाद, जिला अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि चुनावी प्रक्रिया सुचारू रूप से और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगी।

विस चुनाव के बीच...

छुट्टी से वापस बुलाया जा रहा है। सीएपीएफ के पूर्व कार्मिकों का कहना है कि उन्हें छुट्टी रद्द करने का कोई कारण समझ नहीं आ रहा। एक तो जवानों को बड़ी मुश्किल से छुट्टियां मिलती हैं और अब उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है। बल में सौ दिन की छुट्टियों का वादा अभी तक पूरा नहीं हो सका। इस तरह छुट्टी रद्द करना, ये आदेश उसी वक्त जारी किए जाते हैं, जब देश में युद्ध की स्थिति हो या कोई बड़ी प्राकृतिक आपदा आई हो। महानिदेशालय की तरफ से कहा गया है कि चुनाव संपन्न होने तक कोई नई छुट्टी स्वीकृत नहीं की जाएगी। केवल आपातकालीन स्थिति में ही छुट्टी मिलेगी। सीआरपीएफ में लगातार दूसरे साल *समर चेन ट्रांसफर* पर रोक लगाई गई है। पिछले साल मई में *ऑपरेशन सिंदूर* के चलते तबादलों पर रोक लगाई गई थी। इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के कारण 3.25 लाख की संख्या वाले बल सीआरपीएफ में ट्रांसफर प्रक्रिया को 15 मई तक स्थगित किया गया है। जितने भी कार्मिकों या एग्जीक्यूटिव अधिकारियों का तबादला हुआ है, उन्हें रिलीव करने पर रोक लगा दी गई है। ये आदेश मार्च के तीसरे सप्ताह में जारी किए गए थे। उनमें कहा गया है कि सीआरपीएफ के ऐसे अधिकारी और कर्मचारी, जो उक्त आदेश के जारी होने तक अपनी वर्तमान पोस्टिंग से रिलीव नहीं हुए थे, उन्हें आगामी आदेशों तक अपने पहले वाले स्थान पर ही रहने के लिए कहा गया है। पांच राज्यों के चुनाव में इस बार अधिक संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की जा रही है। तीन लाख से अधिक जवानों को चुनावी ड्यूटी पर भेजा गया है। केंद्रीय बलों की सबसे ज्यादा तैनाती पश्चिम बंगाल में की गई है। वहां पर केंद्रीय बलों की 2400 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। राज्य में वोटों की गिनती के बाद भी केंद्रीय बल तैनात रहेंगे। यह निर्णय इसलिए लिया गया है कि चुनावी नतीजों के बाद वहां पर किसी तरह की कोई हिंसात्मक घटना न हो। पश्चिम बंगाल में चार मई को नतीजे आएंगे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के अलावा राज्य सशस्त्र पुलिस और इंडिया रिजर्व बटालियनों को भी चुनावी राज्यों में लगाया गया है। बता दें कि चुनावी राज्यों में केंद्रीय बलों की तैनाती की प्रक्रिया फरवरी में शुरु हो गई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 480 कंपनियों की तैनाती का आदेश जारी किया था। इसमें सीआरपीएफ की 230, बीएसएफ की 120, सीआईएसएफ की 37, आईटीबीपी की 47 और एसएसबी की 46 कंपनियों की रवानगी की गई। मार्च के तीसरे सप्ताह में निर्वाचन आयोग ने केंद्रीय बलों की अतिरिक्त 1920 कंपनियां भेजने का आदेश दिया। ये कंपनियां, चुनाव के चरणों के मुताबिक, संबंधित राज्यों में पहुंचेंगी। चुनाव के पहले, दूसरे और तीसरे चरण में करीब 900 कंपनियों को तैनात किया जाएगा। बंगाल में 200 कंपनियां स्ट्रांग रूम और काउंटिंग सेंटरों पर तैनात होंगी। इसके अलावा 500 कंपनियां, नतीजों के बाद भी वहीं रहेंगी। ये कंपनियां, कानून व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग देंगी।

बिहू और दुर्गा पूजा ...

करने का प्रस्ताव रखा और एक आईटीआई और एक पॉलिटेक्निक संस्थान स्थापित करने की योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने यह भी दोहराया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चाय बागान श्रमिकों को भूमि अधिकार और आवास का लाभ मिलता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार ने हमेशा अपने वादों से कहीं अधिक काम किया है, और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।

असम में यूसीसी से ...

नागरिक संहिता लागू करना, हमारे आदिवासी समाज की परंपराओं, छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की रक्षा करना या असम की पहचान को बचाना बहुत बड़ी घोषणाएं हैं। भाजपा अपने वादे पूरे करती है। यूसीसी का उद्देश्य विवाह, तलाक और उत्तराधिकार से संबंधित विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों को एक समान, धर्मनिरपेक्ष कानूनी ढांचे से प्रतिस्थापित करना है, ताकि समानता, राष्ट्रीय एकता और लैंगिक न्याय को बढ़ावा दिया जा सके।

चुनाव पूर्व हिंसा ...

घटना के पीछे कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हाथ था। आमबागान पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों ने जांच शुरू कर दी है। एक स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता ने दावा किया कि तोड़फोड़ की यह घटना सप्ताह की शुरुआत में हुए विवाद के बाद हुई। दो दिन पहले हमने यहां पार्टी की बैठक की और बैठक समाप्त होने के बाद थोड़ी देर के लिए गाने बजाए। एक पुलिस अधिकारी ने हमें रुकने और यहां तक कि कार्यालय हटाने के लिए कहा। हमने उनकी बात मान ली। लेकिन कल, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उसी अधिकारी के आवास के पास संगीत कार्यक्रम आयोजित किया, उन्होंने आरोप लगाया। आज सुबह हमने अपने कार्यालय में तोड़फोड़ देखी। हमें संदेह है कि इसमें उनकी संलिप्तता है और हम पुलिस से उचित जांच करने का आग्रह करते हैं। शुक्रवार देर रात एक अलग घटना में, गेरुमुख क्षेत्र के पेनाई में स्थित भाजपा के एक प्रचार कार्यालय को अज्ञात बदमाशों ने कथित तौर पर आग लगा दी। खबरों के मुताबिक, महज चार दिन पहले स्थापित किया गया यह कार्यालय आंशिक रूप से नष्ट हो गया, और प्रचार सामग्री और बैनर जल गए। खाटोवाल पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। इस रिपोर्ट को लिखे जाने तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। इसी बीच, कांग्रेस समर्थकों की ओर से जवाबी आरोप सामने आए हैं, जिन्होंने दावा किया है कि शामागुड़ी के अंतर्गत गेरुआ क्षेत्र में उनके तीन चुनाव कार्यालयों के साथ-साथ एक ब्रॉयलर चिकन की दुकान में आग लगा दी गई थी। हमने लगभग एक सप्ताह पहले गेरुआ तिनियाली में कांग्रेस के झंडे लगाए थे। रात होते-होते बदमाशों ने उन्हें हटा दिया और नष्ट कर दिया। सुबह करीब 4 बजे, तीन स्थानों पर स्थित हमारे पार्टी कार्यालयों में आग लगा दी गई, एक स्थानीय निवासी ने बताया। एक अन्य निवासी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को धमकाने और अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। सुबह करीब 4:10 बजे हमें सूचना मिली कि कांग्रेस के दो प्रचार कार्यालयों को बैनर और पोस्टर समेत जला दिया गया है। हमारे कार्यकर्ताओं को धमकियां दी जा रही हैं और जब हम पुलिस से संपर्क करते हैं तो कोई कार्रवाई नहीं की जाती। हम चुनाव आयोग और प्रशासन से हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हैं, उन्होंने कहा। सिपाझार से भी चुनाव पूर्व हिंसा की खबरें आईं, जहां कांग्रेस के एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर दो भाजपा समर्थकों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमला किया। सूत्रों के अनुसार, यह घटना कांग्रेस उम्मीदवार बिनंदा कुमार सैकिया के एक कार्यक्रम के दौरान हुई, जब भाजपा समर्थक तपेश्वर डेका पर कथित तौर पर हमला किया गया। नारायण डेका नामक एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला किया गया जब उसने हस्तक्षेप करने की कोशिश की। तपेश्वर डेका ने कहा कि धन डेका नाम का एक व्यक्ति अपनी बाइक से उतरा और मुझे पीटने लगा। मैं किसी भी पार्टी से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा नहीं हूं, लेकिन मैं भाजपा का समर्थक हूं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि यह हमला एक समूह द्वारा किया गया था। भीड़ ने उसे घेर लिया और बुरी तरह पीटा। उसके कई दांत टूट गए और सीने में चोटें आईं। हमने एम्बुलेंस बुलाई और उसे सिपाझार अस्पताल ले जाया गया, उन्होंने कहा। मतदान से पहले इन निर्वाचन क्षेत्रों में तनाव का माहौल बना हुआ है, वहीं पुलिस ने सभी घटनाओं की जांच शुरू कर दी है।

चुनाव 26 : अंतर्राष्ट्रीय ...

करना है। कार्यक्रम के तहत 8 अप्रैल 2026 को प्रतिनिधिमंडल के आगमन के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा उन्हें विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा वे चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए डिस्पैच सेंटर और कंट्रोल रूम का भी दौरा करेंगे। वहीं 9 अप्रैल को प्रतिनिधिमंडल असम के विभिन्न जिलों के कई मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था तथा चुनावी तकनीकों के उपयोग का निरीक्षण करेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की चुनावी प्रक्रिया के व्यापक स्वरूप, पारदर्शिता और मजबूती को प्रदर्शित करना है, साथ ही चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

मुझे गिरफ्तार करने ...

दोबारा जन्म लेना पड़ेगा। हिमंत विश्व शर्मा ने चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी को पप्पू और गौरव गोगोई को छोटा पप्पू कहा। असम के सीएम ने कहा कि यह इस जन्म में नहीं होगा। कई जन्मों के बाद ही वे हिमंत विश्व शर्मा का कुछ बिगाड़ पाएंगे। सीएम शर्मा की टिप्पणियों पर कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हिमंत विश्व शर्मा को लगता है कि वह कानून से ऊपर हैं, इसलिए उन्हें एक कुदरती नियम याद रखना चाहिए। पवन खेड़ा ने आगे लिखा कि आप जितनी ऊंचाई पर खड़े होते हैं, उतनी ही जोर से गिरते हैं। सीएम के घर से तिहाड़ तक - यह तो बस शुरुआत होगी। राहुल गांधी ने गुरुवार को हिमंत विश्व शर्मा को देश का सबसे भ्रष्ट सीएम बताया था और आरोप लगाया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर, राज्य में एक लैंड एटीएम चला रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के सबसे भ्रष्ट सीएम हिमंत विश्व शर्मा हैं और उनका परिवार भी भ्रष्टाचार में नंबर 1 है। कांग्रेस सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। हालांकि वह अभी शेखी बघार रहे हैं, लेकिन उसके बाद वह पूरी तरह चुप हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने सोरेन का ...

कर सकते हैं और जमीनी स्तर पर हुए बदलाव को देख सकते हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) सरकार पर निशाना साधते हुए शर्मा ने कहा कि सोरेन असम की प्रगति से सबक ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास अब अच्छी सड़कें, बेहतर बुनियादी ढांचा और लक्षित कल्याणकारी उपाय हैं। झारखंड विकास में पिछड़ा हुआ है, और सोरेन असम के मॉडल से सीख सकते हैं। शर्मा की ये टिप्पणी उस दिन आई जब सोरेन, जय भारत पार्टी के तिहारू गौर के लिए प्रचार कर रहे थे, जो जेएमएम और जय भारत पार्टी के 70 नंबर विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र से मनोनीत उम्मीदवार हैं। 4 अप्रैल को विश्वनाथ के धुली चाय बागान में 13,000 लोगों की सभा को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि उन्हें असम में घरों का दौरा करने और लोगों द्वारा झेली जा रही कठिनाइयों को सुनने का अवसर मिला। मैंने एक चाय बागान मजदूर के घर जाकर उनकी दयनीय स्थिति देखी। वे बिना बिजली के एक छोटे से कमरे में रह रहे हैं, जहां बिस्तर तक नहीं है, उन्होंने कहा। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर *सत्ता चोर* होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2016 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से, लोगों को हर बुनियादी जरूरत के लिए कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर होना पड़ा है। हाल ही में, हेमंत सोरेन ने राज्य के अपने दौरे के दौरान विश्वास व्यक्त किया कि चाय बागानों में काम करने वाली जनजातियां, जिन्हें एक प्रमुख मतदाता आधार माना जाता है, जेएमएम और उसके सहयोगियों की ओर अपना समर्थन बदल सकती हैं। असम चुनावों में चाय बागानों के मतदाता निर्णायक कारक बने हुए हैं, और सोरेन के अभियान को इस वर्ग को एकजुट करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कई आदिवासी छात्र संगठनों और संबद्ध संस्थाओं ने जेएमएम उम्मीदवार को समर्थन दिया है, जो जमीनी स्तर पर गठबंधन में बदलाव का संकेत देता है। भाजपा, जिसे पहले इन समूहों के कुछ वर्गों का समर्थन प्राप्त था, अब अनसुलझे मुद्दों को लेकर असंतोष का सामना कर रही है। जेएमएम ने असम विधानसभा की 126 सीटों के चुनाव में 21 उम्मीदवार उतारे हैं ।

ओवैसी मियां समुदाय...

सीटें जीतने की स्थिति में है और संभवतः 100 का आंकड़ा भी पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें पहले 96 सीटें मिली थीं, इस बार हम चार और सीटें जीतेंगे। खोवांग निर्वाचन क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा उम्मीदवार चक्रधर गोगोई को भारी जीत मिलेगी, और हाल ही में उनके दौरे के दौरान मिले मजबूत जनसमर्थन का हवाला दिया। शर्मा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे पिछले दो वर्षों से जोरहाट के लिए सक्रिय रूप से काम नहीं कर रहे हैं। सोनारी में भाजपा नेता की हत्या के मामले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना को चुनाव से जोड़ना अभी जल्दबाजी होगी, और उचित जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन का रिकॉर्ड और जमीनी स्तर पर पहुंच ने चुनाव से पहले उसकी स्थिति को मजबूत किया है।

हेलीकॉप्टर के पास ...

यह कहते हुए सुना जा सकता है, *अरे, ये क्या है यार? माइक बंद करो।* अधिकारियों ने अब इस बात की जांच शुरू कर दी है कि बनर्जी के हेलीकॉप्टर के इतने करीब ड्रोन कौन उड़ा रहा था। बनर्जी के मालदा दौरे की बात करें तो, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) वहां चुनाव प्रचार के लिए गई थी। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने एक चुनावी रैली को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा को उन लोगों से माफी मांगनी चाहिए जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने मालदा में हाल ही में हुई हिंसा और न्यायिक अधिकारियों के घेराव का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) निर्दोष लोगों को गिरफ्तार करके उन्हें परेशान कर रही है। उन्होंने जनता से आगामी चुनावों में भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देने का आग्रह किया। चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की कोशिश कर रही बनर्जी ने कहा हमारी पार्टी की राजनीतिक रैलियां और सभाएं आयोजित करने की कोई जरूरत नहीं है। मेरी प्राथमिकता इन लोगों की मदद करना है ताकि वे न्यायाधिकरणों में आवेदन कर सकें और मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए नामों को शामिल करवा सकें।

पश्चिम एशिया पर ...

के लोगों से कहना चाहता हूं कि राजनीति का अपना स्थान है और चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन मेरे लिए वहां रहने वाले लाखों केरलवासियों की सुरक्षा प्राथमिकता है, और मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूं। मोदी ने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों की *साजिशों* को उजागर कर दिया है, जो इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों के बीच अविश्वास पैदा करने के लिए बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध संकट ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की साजिशों को बेनकाब कर दिया है। आज पूरा देश देख रहा है कि खाड़ी देशों में स्थिति कैसे बिगड़ रही है, जहां हमारे लाखों लोग काम कर रहे हैं, फिर भी कांग्रेस के बड़े नेता जानबूझकर ऐसे बयान दे रहे हैं जो पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और वहां के लोगों के बीच अविश्वास पैदा करते हैं। उन्होंने संघर्ष के दौरान भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा के आधार के रूप में खाड़ी देशों के साथ भारत के मजबूत राजनयिक संबंधों पर प्रकाश डाला। मोदी ने कहा कि हमारे अच्छे संबंधों के कारण ही खाड़ी देशों की सरकारें सभी भारतीयों को अपना परिवार मानती हैं और उनकी रक्षा कर रही हैंज्ऐसे बयान देने का यह समय नहीं है; उन भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है... कृपया ऐसे निरर्थक बयान देना बंद करें जिनसे वहां हमारे लोगों को परेशानी हो।

रेडियोएक्टिव रेडिएशन से ...

रेडियोधर्मी विकिरण से जीसीसी की राजधानियों में जीवन समाप्त होगा, तेहरान में नहीं। हमारे पेट्रोकेमिकल संयंत्रों पर हमले भी वास्तविक उद्देश्यों को दर्शाते हैं। यह घटना शनिवार सुबह बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र की परिधि के पास एक मिसाइल गिरने के बाद हुई, जिसमें एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। यह जानकारी ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम ने दी है। खबरों के अनुसार, इस घटना में संयंत्र के मुख्य भागों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन एक सहायक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। समाचार एजेंसी के दावे के अनुसार, उत्पादन अप्रभावित रहा। बुशहर संयंत्र दक्षिणी ईरान में फारस की खाड़ी पर स्थित है और यह देश का पहला वाणिज्यिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। ईरानी विदेश मंत्री ने ईरान में छह पेट्रोकेमिकल संयंत्रों को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों का भी जिक्र किया। प्रेस टीवी के अनुसार, देश के दक्षिण-पश्चिमी खुजेस्तान प्रांत में छह पेट्रोकेमिकल संयंत्रों को निशाना बनाकर किए गए इन हवाई हमलों में कम से कम पांच लोग घायल हुए। इसी बीच, एक अलग पोस्ट में अराघची ने चल रहे संघर्ष को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया और इसे ईरान पर थोपा गया अवैध युद्ध बताया। ईरानी मंत्री ने संघर्ष के स्थायी समाधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए तेहरान की बातचीत के प्रति तत्परता का संकेत भी दिया।

ईरान से भारतीय ...

मीडिया मंच *एक्स* पर अपने संदेश में कहा कि आर्मेनिया के सहयोग से भारतीय मछुआरों को ईरान से निकालकर आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित रूप से भारत लाया गया है। उन्होंने इस मानवीय सहायता के लिए आर्मेनियाई सरकार के प्रति कृतज्ञता जताई। विदेश मंत्रालय के अनुसार संबंधित एजेंसियों के समन्वय से यह निकासी अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मछुआरे पहले ईरान में फंसे हुए थे, जिन्हें सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराते हुए आर्मेनिया के जरिए भारत वापस लाया गया। सरकार ने कहा कि विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उनकी शीघ्र वापसी उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

प्लास्टिक खाने से गोलाघाट में जंगली हाथी की दर्दनाक मौत का खुलासा

गोलाघाट (हिंस)। मानवजनित प्रदूषण और लापरवाही के कारण वन्यजीवों के जीवन पर बढ़ते खतरे का एक गंभीर मामला सामने आया है। असम के गोलाघाट जिले के नुमलीगढ़ क्षेत्र में एक जंगली हाथी की प्लास्टिक खाने से हुई मौत ने सभी को झकझोर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष 12 जनवरी को नुमलीगढ़ चाय बागान में 8–10 वर्ष आयु के एक हाथी का शव बरामद किया गया था। हाल ही में सामने आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इस हाथी की मौत का चौंकाने वाला कारण अत्यधिक प्लास्टिक का सेवन बताया गया है। आरटीआई कार्यकर्ता दिलीप नाथ द्वारा उजागर की गई इस रिपोर्ट के अनुसार, हाथी के शरीर पर किसी प्रकार की बाहरी चोट या हड्डी टूटने के कोई संकेत नहीं मिले। भोजन की तलाश में भटकते हुए हाथी ने राष्ट्रीय राजमार्ग–39 के किनारे फेंके गए कचरे के साथ बड़ी मात्रा में प्लास्टिक खा लिया था। इसके परिणामस्वरूप उसके शरीर में गंभीर गैस की समस्या उत्पन्न हुई और पाचन तंत्र पूरी तरह से प्रभावित हो गया, जिससे उसने असहनीय पीड़ा झेलते हुए दम तोड़ दिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजमार्ग–39 के किनारे स्थित देवपहाड़ आरक्षित वन और नामबर–दोइगरुंग अभयारण्य के आसपास के क्षेत्र, जो हाथियों के आवागमन के लिए महत्वपूर्ण कॉरिडोर माने जाते हैं, वहां लंबे समय से प्लास्टिक और अन्य कचरे का अनियंत्रित ढंग से फेंका जाना जारी है। प्रकृतिप्रेमियों के अनुसार, प्लास्टिक खाने से जंगली हाथी की मौत का यह मामला अत्यंत दुर्लभ और चिंताजनक है, जो पर्यावरणीय संकट का गंभीर संकेत है। साथ ही, इस तरह के संवेदनशील क्षेत्रों में कचरा फेंकने पर रोक लगाने में वन विभाग की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए गए हैं। सचेत नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने वन्यजीवों के आवास के आसपास प्लास्टिक मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में और भी वन्यजीवों की ऐसी दर्दनाक मौतें हो सकती हैं, जो जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है।

मोदी के नेतृत्व में असम में शांति व विकास का दावा

कांग्रेस की *मीडिया आधारित लामबंदी* पर सोनोवाल का हमला

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में असम में स्थायी शांति और समग्र विकास का नया दौर शुरू हुआ है। कांग्रेस की चुनावी सक्रियता को *मीडिया तक सीमित और जमीनी हकीकत से* दूर बताया। ये बातें केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को राज्य भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। सोनोवाल ने कहा कि 2016 में जनादेश मिलने के बाद भारतीय जनता पार्टी एक राजनीतिक दल से आगे बढ़कर समाज के हर क्षेत्र में प्रभावी सामाजिक–राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त और घुसपैठ मुक्त असम के निर्माण के संकल्प को जनता का व्यापक समर्थन मिला है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उसकी कथित लामबंदी केवल कुछ अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों तक सीमित है और उसका व्यापक जनाधार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने पारदर्शी भर्ती, अवैध अतिक्रमण हटाने, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में लोगों की अपेक्षाओं को पूरा किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से उल्फा, एनडीएफबी और केएलओ सहित विभिन्न उग्रवादी संगठनों के साथ एक दर्जन से अधिक शांति समझौते हुए हैं, जिससे राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हुई है। सोनोवाल ने कांग्रेस शासन को *अंधकारमय दौर* बताते हुए आरोप लगाया कि उस समय की नीतियों से सामाजिक विभाजन और अस्थिरता बढ़ी तथा कई युवाओं को उग्रवाद की ओर धकेला गया। उन्होंने कहा कि विदेशी विरोधी आंदोलन के दौरान दमन की घटनाओं से राज्य को भारी नुकसान उठाना पड़ा। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर उन्होंने विश्वास जताया कि असम की जनता एक बार फिर विकास, स्थिरता और सुरक्षित भविष्य के पक्ष में मतदान करेगी। इस अवसर पर राज्य भाजपा मीडिया विभाग के संयोजक रूपम गोस्वामी भी उपस्थित थे।

नितिन नवीन ने विपक्ष के नेताओं को बताया पार्ट–टाइम नेता

श्रीभूमि (हिंस)। असम में श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सभा में भारी जनसमूह उमड़ा। रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विजय मालाकर के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प सभा में हजारों समर्थकों की उपस्थिति देखी गई। रामकृष्णनगर के खेल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। सभा में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही और राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति से कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया। सभा को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए उन्हें *पार्ट–टाइम नेता* बताया, जो केवल चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि भाजपा नेता वर्षभर जनता के बीच रहकर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य 2047 तक असम को एक विकसित राज्य बनाना है और इसके लिए पार्टी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस बीच, असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता कांग्रेस को नकार देगी। सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि भाजपा शासनकाल में 16 मेडिकल कॉलेज और 32 विश्वविद्यालय स्थापित किए गए, जबकि कांग्रेस शासन में यह संख्या काफी कम थी। वहीं, कांग्रेस नेताओं गौरव और लुरिन ज्योति गोगोई ने सरूपाथर में विपक्षी गठबंधन के प्रत्याशी जीवन चुतिया के समर्थन में प्रचार करते हुए भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की आलोचना की। इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि भाजपा की लगातार तीसरी सरकार बनने पर घुसपैठ की समस्या से निपटने और विकास कार्यों को तेज करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, खासकर जनजातीय समुदायों के लिए। असम में 126 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी। भाजपा गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश में है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व वाला गठबंधन उसे कड़ी चुनौती दे रहा है।

नाओबेचा में राजग उम्मीदवार का समर्थन में पेमा खांडू ने किया प्रचार

लखीमपुर (हिंस)। असम के लखीमपुर जिलांतर्गत सोनापुर हायर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को असम में तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में लौटने का भरोसा जताया। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि लोगों की भारी भीड़ इस बात का सबूत है कि गठबंधन को जनता का जबरदस्त समर्थन हासिल है और लोग राजग को दोबारा सत्ता में लाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने नओबेचा (एससी) सीट से राजग उम्मीदवार और असम गण परिषद (अगप) के नेता बसंत दास के साथ मंच साझा किया। इस दौरान उन्होंने एक स्थिर और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए गठबंधन के भीतर एकता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। खांडू ने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच गहरे रिश्तों का भी जिक्र किया और कहा कि अरुणाचल का विकास असम के लोगों के योगदान से ही जुड़ा हुआ है। उन्होंने दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच मजबूत और अटूट रिश्ते पर जोर देते हुए, असम के लोगों के कल्याण और सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उल्लेखनीय है कि, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू बीते शुक्रवार को भी राज्य के कई विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया था।

राज्य में पांच एलपीजी वितरक निलंबित, आपूर्ति पर कड़ी निगरानी

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्य सचिव कार्यालय ने वितरण में अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन के आरोप में राज्य के पांच एलपीजी वितरकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शनिवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की कार्ययोजना के अनुरूप की गई है। राज्य और जिला स्तर पर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के साथ समन्वय में एलपीजी आपूर्ति की कड़ी निगरानी की जा रही है। निलंबित किए गए वितरकों में तेजपुर का बीएम गैस सर्विस, विश्वनाथ चाराली का बिस्वनाथ गैस डिस्ट्रीब्यूटर, धुबड़ी का गदाधर गैस सर्विस, हाउली (बरपेटा) का केए इंडेन ग्रामीण वितरक तथा होजाई का प्रकाश इंडेन एजेंसी शामिल हैं। आदेश के अनुसार, इन वितरकों को तत्काल प्रभाव से एलपीजी आपूर्ति बंद कर दी गई है और सप्लाई प्लानिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन (एसपीडी) प्रणाली में इन्हें कोई आवंटन नहीं किया जाएगा। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए इन एजेंसियों से जुड़े उपभोक्ताओं को वैकल्पिक वितरकों से जोड़ा गया है। इस बीच, केंद्र और राज्य स्तर पर एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा की गई है। सरकार ने आश्वासन दिया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को शत् प्रतिशत आवंटन के साथ पर्याप्त एलपीजी उपलब्ध है। वहीं, वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन प्राप्त कर कुल आपूर्ति को 70 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। सरकार ने आवश्यक वस्तुओं के वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति दोहराई है और कहा है कि समीक्षा पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि जनहित सुरक्षित रहे और एलपीजी की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी रहे।

लुरिनज्योति गोगोई *मुसलमानों के दुश्मन* अजमल की खुली चुनौती

हैलाकांदी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने शनिवार को असम जातीय परिषद (एजेपी) के नेता लुरिनज्योति गोगोई पर तीखा हमला करते हुए उन्हें *मुसलमानों का दुश्मन* बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि एनआरसी प्रक्रिया के दौरान लाखों मुसलमानों के नाम सूची से बाहर कर दिए गए। बिन्नाकांदी विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान अजमल ने एजेपी उम्मीदवार रेजाउल करीम चौधरी को चुनौती दी कि वे कुरान पर हाथ रखकर शपथ लें और यह कहें कि लुरिनज्योति गोगोई मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं। अजमल ने आरोप लगाया कि असम जातीय परिषद के टिकट पर चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवार मुसलमानों के हितों के विरोधी हैं। उन्होंने चुनावी सभा में यह बयान देते हुए एजेपी पर जमकर निशाना साधा। अजमल के इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है, हालांकि एजेपी की ओर से अभी तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

चुनाव 26 : भाजपा की बी टीम है एआईयूडीएफ : गौरव गोगोई

कोकराझाड़ (हिंस)। असम में आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विभिन्न दलों के उम्मीदवारों और स्टार प्रचारकों ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं सांसद गौरव गोगोई ने शनिवार को निचले असम में व्यापक चुनाव प्रचार किया। इससे पहले वे ऊपरी असम में प्रचार कर चुके हैं। सुबह करीब 10 बजे गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में बने अस्थायी हेलीपैड से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर वे करीब 10–45 बजे पर्बतझोरा पहुंचे, जहां उन्होंने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इसके बाद वे गौरीपुर पहुंचे, जहां लगभग 12–30 बजे उन्होंने एक अन्य जनसभा में भाग लिया। पर्बतझोरा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार अश्राफुल इस्लाम शेख के समर्थन में आयोजित एक विशाल जनसभा में भी गोगोई ने प्रचार किया। अपने संबोधन में गोगोई ने भाजपा और एआईयूडीएफ पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि भाजपा में *सिंडिकेट सिस्टम* चल रहा है और ऐसे लोगों को पार्टी का टिकट दिया गया है जो इस नेटवर्क से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एआईयूडीएफ भाजपा की *बी टीम* की तरह काम कर रही है। गोगोई ने एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के बीच नजदीकी संबंध होने का दावा करते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव में एआईयूडीएफ ने भाजपा की मदद की। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के एकजुट होने से जनता में विश्वास बढ़ा है और लोग अब डर और दबाव को नजरअंदाज कर विपक्ष के साथ आ रहे हैं। गोगोई ने पर्बतझोरा के मतदाताओं से शांति, विकास और अन्याय के खिलाफ लड़ाई के लिए कांग्रेस उम्मीदवार अश्राफुल इस्लाम शेख को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।

पांच वर्षों में दो लाख युवाओं को नौकरी देगी भाजपा सरकार : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम में भाजपा की सरकार बनने पर अगले पांच वर्षों में दो लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा जाएगा। राज्य के मंत्री पीयूष हजारिका ने शनिवार को यह घोषणा की। प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए हजारिका ने कहा कि नौकरी के क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार शून्य सहनशीलता की नीति अपनाएगी, जिससे भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित होगी। मंत्री हजारिका ने उल्लेख किया कि सरकार ने 1 लाख नौकरियों का वादा किया था, हालांकि अब तक लगभग 1 लाख 65 हजार युवा–युवतियों को नौकरी प्रदान की जा चुकी है। कांग्रेस के समय नौकरी के क्षेत्र में जो व्यापक भ्रष्टाचार चल रहा था, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पहले असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) की नौकरियां क्षमता के बजाए धन और राजनीतिक प्रभाव पर निर्भर करती थीं। लेकिन अब वह परिस्थिति बदल गई है और योग्य उम्मीदवारों को नौकरी मिली है। सरकार के पुन: शासन में आने पर 2 लाख नौकरियां प्रदान की जाएंगी, यह उन्होंने घोषणा की। यह बताते हुए मंत्री ने कहा कि वर्तमान में सरकारी नौकरी के अलावा स्वरोजगार पर भी जोर दिया जा रहा है ताकि बेरोजगारी की समस्या का समाधान किया जा सके। *मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम* योजना के तहत युवाओं को लगभग 2 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। आने वाले दिनों में 10 लाख बेरोजगारों को उद्यम शुरू करने के लिए लगभग 5 लाख रुपए की मदद देने का लक्ष्य रखा गया है। *एडवांटेज असम* के माध्यम से 5.50 लाख करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके माध्यम से टाटा के सेमिकंडक्टर परियोजना में 29 हजार दक्ष युवाओं को नौकरी मिलेगी। साथ ही उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले पांच वर्षों में 57 लाख से अधिक छात्रों को मुफ्त किताबें और 10 लाख विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान की गई हैं। छात्राओं के लिए *निजुत मोइन* योजना के साथ ही अब *निजुत बाबू* की भी व्यवस्था की गई है। राज्य में 16 से अधिक मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं तथा एम्स कार्यक्षम हो चुका है। पहले मेडिकल की सीटें केवल 650 थीं, अब यह 1800 तक बढ़ गई हैं। उन्होंने अन्य कई बतों का उल्लेख किया।

रंगापाड़ा में हथियार के बल पर 22 लाख के आभूषण लूटे

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर के रंगापाड़ा में बीती रात एक चौंकाने वाली घटना में अज्ञात बदमाशों ने एक व्यवसायी से लगभग 22 लाख रुपए के सोने के आभूषण लूट लिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नामनिगांव निवासी संतोष साह अपनी ज्वेलरी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि बदमाशों ने बंदूक दिखाकर उन्हें धमकाया, उनके साथ मारपीट की और आभूषण छीनकर फरार हो गए। यह घटना घर लौटने के दौरान रास्ते में हुई, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपितों की तलाश जारी है। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

नौ को कामरूप जिले में ड्राई डे घोषित

रंगिया (विभास)। आगामी 9 अप्रैल को आयोजित होने वाले असम विधानसभा के सामान्य चुनाव के संदर्भ में आज कामरूप जिले के जिला आयुक्त ने कामरूप जिले के 6 विधानसभा क्षेत्रों पर लागू होने वाले एक निर्देश जारी किया है। इस निर्देश के अनुसार कामरूप जिले में 7 अप्रैल की संध्या 5 बजे से 9 अप्रैल की संध्या 5 बजे तक सभी थोक/बांडेड वेयरहाउस, भारत में निर्मित विदेशी शराब/बीयर के खुदरा *ऑफ* एवं *ऑन* दुकानें, देसी शराब की दुकानें, शराब बिक्री या सेवा की सुविधा प्रदान करने वाली अन्य कोई भी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे यानी ड्राई डे घोषित किया गया है। एक अन्य निर्देश में जिला आयुक्त ने मतगणना के लिए निर्धारित 4 मई के दिन, मतगणना समाप्त न होने तक ड्राई डे के रूप में घोषित किया है। घोषणा पत्र में उल्लेख है कि असम विधानसभा क्षेत्र के लिए आगामी चुनाव के लिए जारी इस निर्देश का उल्लंघन करने पर असम आबकारी अधिनियम और नियमों की प्रासंगिक धाराओं तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135 (ग) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री के आगमन पर होजाई जिले में विशेष निषेधाज्ञा जारी

होजाई (निसं)। 6 अप्रैल, 2026 को होजाई जिले के सदर श्रीमंत शंकरदेव नगर में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के अवसर पर होजाई जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से विशेष उपाय अपनाए हैं। इसके लिए श्रीमंत शंकरदेव नगर खेल मैदान में आयोजित जनसभा स्थल और बरबहा फील्ड में अस्थायी हेलीपैड क्षेत्र के आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करने के हित में होजाई जिले के जिला दंडाधिकारी देव प्रसाद मिश्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अनुसार तत्काल प्रभाव से एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। उक्त आदेश के अनुसार, जनसभा स्थल श्रीमंत शंकरदेव नगर खेल मैदान और बरबोहा पथार में स्थित अस्थायी हेलीपैड क्षेत्र से तीन किलोमीटर व्यासार्ध के अंदर किसी भी प्रकार के ड्रोन, मानवविहीन उड़न यंत्र, गुब्बारे आदि का उपयोगकर्ता पक्ष से पूर्वानुमति लिए बिना उपयोग करना पूर्णत: निषिद्ध है।

एसएसबी और रेलवे सुरक्षा बलों के संयुक्त अभियान में चार संदिग्ध नाबालिग बरामद

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के कमांडेंट रविंद्र कुमार के मार्गदर्शन में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी निरोधक एवं असामाजिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु एक संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान सशस्त्र सीमा बल एवं रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया गया। इस संयुक्त अभियान में सशस्त्र सीमा बल के जवान सतीश, महिला सिपाही देबिका चौहान, सरबानी राय समेत संदीप कुमार तथा रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, कोकराझाड़ के सहायक उप निरीक्षक संजय कुमार झा, मुख्य आरक्षी डीके बैश्य एवं जीआरपी महिला स्टाफ कोकराझाड़ के कार्मिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान के अंतर्गत समय 13–30 बजे से कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन परिसर में सघन जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान लगभग 14–00 बजे प्लेटफॉर्म संख्या–01 पर चार नाबालिग संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए पाए गए। संदेह के आधार पर टीम द्वारा उन्हें रोककर पूछताछ की गई, किन्तु वे कोई वैध रेलवे टिकट प्रस्तुत नहीं कर सके तथा उनके द्वारा दिए गए उत्तर भी संतोषजनक नहीं पाए गए। विस्तृत पूछताछ के दौरान नाबालिगों ने बताया कि वे अपने मित्रों को छोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन आए थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी नाबालिगों को सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर रेलवे पोस्ट लाया गया, जहां उन्हें आवश्यकतानुसार भोजन एवं पेयजल उपलब्ध कराया गया। आगे की कार्रवाई में नाबालिगों द्वारा दिए गए अभिभावकों के मोबाइल नंबरों पर संपर्क स्थापित किया गया, जिससे यह जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त नाबालिग दिनांक 02–04–2026 से अपने घरों से लापता थे तथा उनके अभिभावक उनकी तलाश कर रहे थे। तत्पश्चात संबंधित अभिभावकों को कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन पर उपस्थित होने हेतु सूचित किया गया। सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए बरामद नाबालिगों को विधिवत रूप से सुपरवाइजर/केस वर्कर, जिला बाल संरक्षण इकाई, कोकराझाड़ (असम) के सुपुर्द कर दिया गया, ताकि आगे की देखभाल एवं पुनर्वास की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। सशस्त्र सीमा बल एवं रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया यह अभियान मानव तस्करी, नशीले पदार्थों की तस्करी एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार के अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

रंगिया : अभामस की नई कार्यकारिणी चुनाव संपन्न

अरुणा अग्रवाल अध्यक्ष, संगीता सचिव व कोषाध्यक्ष बनी सोनम सिकरिया

रंगिया (विभास)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा में सत्र 2026–28 के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव गत दिनों संपन्न हो गया। आयोजित सभा में सर्वसम्मति से अरुणा अग्रवाल को शाखा अध्यक्ष चुना गया। संगीता सिकरिया को सचिव और सोनम सिकरिया को कोषाध्यक्ष बनाया गया। उल्लेखनीय है कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल इससे पूर्व दो सत्रों तक सचिव के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी है, जबकि संगीता और सोनम सिकरिया शाखा की गतिविधियों में सक्रिय सदस्य हैं। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष प्राची सिकरिया, मोनिका अग्रवाल, गुड्डी सिंघानिया सहित सभी सदस्यों ने नई टीम को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि महिला सशक्तिकरण, बाल विकास और सामाजिक–सांस्कृतिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने भी सामुदायिक विकास के प्रति संकल्प दोहराया।

संपादकीय

जिंदगी निगलती भीड़

पिछले दिनों वाराणसी में मोबाइल चोरी के संदेह में एक किशोर की पीट-पीट कर हत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई। घटना कानून व्यवस्था पर तो सवाल है ही, साथ ही भीड़ की बर्बरता की कहानी भी कहती है। क्या एक बच्चे की जिंदगी मोबाइल से सस्ती है? सवाल समाज की बढ़ती आक्रामकता पर भी है। एक ओर हम समाज में कानून का शासन चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर कानून हाथ में लेकर किसी की भी जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। निस्संदेह, यदि किसी व्यक्ति की अपराध में शामिल होने की आशंका भी है तो उसे पुलिस को सौंपा जाना चाहिए। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अराजक तरीके से मार-पीटकर किसी की हत्या करने का अधिकार भीड़ को कैसे मिल सकता है? सवाल ऐसी घटनाओं पर शेष समाज की उदासीनता का भी है। जब उस किशोर को पीटा जा रहा था तो आसपास से गुजरने वाले लोग क्यों उसे बचाने नहीं आए? हाल के दिनों में महज शक के आधार पर लोगों को मौत के घाट उतारने व घायल करने की घटनाएं आम हो गई हैं। यह हमारे समाज के लिये भी चिंता का विषय है क्योंकि निहित स्वार्थी तत्व अकसर निर्दोष लोगों को जाति व संप्रदाय के नाम पर अपने बहुलता वाले इलाके में शिकार बना लेते हैं। प्रश्न यह भी है कि इस तरह की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकारों की तरफ से जमीनी स्तर पर कारगर कदम उठाने की पहल क्यों नहीं होती? जाहिर बात है कि व्यक्ति विशेष को शक के आधार पर निशाना बनाने वाले लोगों में कानून का डर न के बराबर ही होता है। साथ ही आसपास के लोगों का महज तमाशबीन बना रहना भी भीड़ के अराजक व्यवहार को बढ़ावा देता है। वाराणसी की घटना में जिस तरह किशोर को घर से बुलाकर सड़क पर पीटा गया और लोग खामोश रहे, परेशान करने वाला घटनाक्रम ही है। निश्चित रूप से भीड़ द्वारा संदेह के आधार पर किसी की हत्या करना, किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक जैसा है। ऐसे मामलों में पुलिस को भी अपना सूचना तंत्र मजबूत करने और संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करने की जरूरत है। खासकर उस क्षेत्र के थाने की पुलिस व अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। हमारे समाज में संदेह के आधार पर किसी की जान लेने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ रही है, यह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। आये दिन हम सड़कों पर रोड रेज की घटनाएं सुनते और देखते हैं। सड़क में आगे निकलने की होड़ में गोली चलाने और हिंसक प्रतिरोध की घटनाएं अकसर सामने आती हैं। पिछले दिनों देहरादून में आगे निकलने की होड़ में दो कारों में सवार लोगों की गोलीबारी में सड़क पर सैर कर रहे सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की हत्या की घटना उत्तराखंड में व्यापक जनाक्रोश का विषय बनी। ऐसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि नई पीढ़ी के लोग अपना धैर्य, विवेक तथा संवेदनशीलता खोते जा रहे हैं। ये हमारे मानवीय मूल्यों व संवेदना का भी क्षरण है। दरअसल, हमारे समाज में संयुक्त परिवारों का विखराव होने से बच्चों की संवेदनशील ढंग से परवरिश का न हो पाना भी युवाओं में बढ़ती आक्रामकता की वजह बन रहा है। पहले स्कूलों में शिक्षकों का दबदबा होता था और छात्र जीवन में अनुशासन का पाठ सीखते थे। मां-बाप के लाड़-प्यार और बच्चों को स्वच्छंद व्यवहार की आजादी ने उन्हें उच्छृंखल बनाया है। एकल परिवारों में पलने वाले अकेले बच्चों में दूसरों को आसानी से सहन न करने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर समाज में लगातार जटिल होता जीवन भी उग्रता को बढ़ावा दे रहा है। नशा भी नाश का कारक बन रहा है। सूचना माध्यमों में बाजार द्वारा दर्शाए जा रहे विलासिता व भव्यता के सपने देखकर जब नई पीढ़ी कठोर यथार्थ से जूझती है तो हताशा के चलते उसमें आक्रोश के स्वर मुखर होते हैं। सिमटते रोजगार व मनमाफिक अवसर न मिलने की कुंठा भी उन्हें आक्रामक बना रही है। आज इन सभी कारकों को तुरंत संबोधित करने की जरूरत है।

> वाराणसी की घटना में जिस तरह किशोर को घर से बुलाकर सड़क पर पीटा गया और लोग खामोश रहे, परेशान करने वाला घटनाक्रम ही है। निश्चित रूप से भीड़ द्वारा संदेह के आधार पर किसी की हत्या करना, किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक जैसा है। ऐसे मामलों में पुलिस को भी अपना सूचना तंत्र मजबूत करने और संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करने की जरूरत है। खासकर उस क्षेत्र के थाने की पुलिस व अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। हमारे समाज में संदेह के आधार पर किसी की जान लेने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ रही है, वह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। आये दिन हम सड़कों पर रोड रेज की घटनाएं सुनते और देखते हैं। सड़क में आगे निकलने की होड़ में गोली चलाने और हिंसक प्रतिरोध की घटनाएं अकसर सामने आती हैं। दिनों देहरादून में आगे निकलने की होड़ में दो कारों में सवार लोगों की गोलीबारी में सड़क पर सैर कर रहे सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की हत्या की घटना उत्तराखंड में व्यापक जनाक्रोश का विषय बनी। ऐसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा कर रही है कि नई पीढ़ी के लोग अपना धैर्य, विवेक तथा संवेदनशीलता खोते जा रहे हैं। ये हमारे मानवीय मूल्यों व संवेदना का भी क्षरण है।

कुछ अलग

क्या अच्छे दिन आ गए बंधु?

सुबह हो चुकी है। मुझे बता दिया गया है कि यह वह सुबह है जिसमें बदलाव हो जाता है। अच्छे दिन आएंगे, का इंतजार खत्म हो जाता है। इन दिनों का चेहरा पहचान लो जिसकी पहचान आज से शुरू हो गई है। ऐसे दिन जिनमें हर आदमी ऐसे सांस भरता है, जो किसी गैस चैम्बर में बंद हो गई सांस जैसी नहीं लगती। ऐसे फूल बागों में नहीं खिलते, जिनका भाग्य केवल नेता के गले में हार या उसके माथे पर सजने वाले सत्ता के मुकुट का हिस्सा बनना नहीं होता। वह उन बागों में कभी नहीं गया। बहुत दिन से ऐसे मुकुटों ने उसमें अपना होने का एहसास देना बंद कर दिया है। ये मुकुट ऊंचे प्रासादों से खुशपुसाते या बगलगीर होते दिखाई देते हैं और सब को खबर मिलती है कि देश की आर्थिक नीति बदल गई। देश का सरकारी क्षेत्र अपने पैरों पर खड़ा होने के काबिल नहीं रहा था। उसे चलने के नाम पर घिसटने का अभ्यास भी नहीं रहा था। उसे त्वरित गति से चलाना है तो झुकती इमारत की बैसाखियों की तरह इसे निजी क्षेत्र की धन्ना सेठों के निवेश की बैसाखियां दे दो। केवल स्वचालित, डिजिटल और भारी-भरकम क्षेत्र के निवेश में ही नहीं, बल्कि लाल डोरा क्षेत्र में भी जहां अभी तक गरीबों, पिछड़ों और दलितों को काम करने की ही इजाजत थी। उनके कायाकल्प के लिए ऊंची बहुमंजिला इमारतों से थैलीवान उतर आए। वे लाल डोरा क्षेत्र को भी देखते ही देखते मैरीन ड्राइव बना देंगे। अपने टूटे घरों के दरीचों से अपने पिछड़ेपन से संत्रस्त, भूख और अभाव से मारे हुए लोग इस नई सवेरे का स्वागत करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें यह कह दिया जाएगा कि फिलहाल इन स्वचालित मशीनों और डिजिटल हो सकने की निपुणता हासिल कर लो, इसके बाद इन खाली कुर्सियों की आत्मा तुम्हें भी स्वीकार कर लेगी।

चीन इस साल अपने नए मेंगझोऊ (ड्रीम शिप) अंतरिक्ष यान की परीक्षण उड़ान आयोजित करने जा रहा है

अंतरिक्ष अनुसंधान में अमेरिका को चीन की चुनौती

> चीन पहले ही कई रोबोट चंद्रमा पर भेज चुका है और चंद्र नमूने वापस ला चुका है। चीन इस साल अपने नए मेंगझोऊ (ड्रीम शिप) अंतरिक्ष यान की परीक्षण उड़ान आयोजित करने जा रहा है। यह अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्र कक्षा में ले जाएगा। संभव है कि चंद्रमा पर अमेरिकी यात्री पहले उतर जाए, पर इस बात के आसार बन रहे हैं कि स्पेस साइंस में अब अमेरिका के साथ चीन बराबरी के स्तर पर आने की होड़ में है। अभी इसे बराबरी कहना आसान नहीं है, पर एक क्षेत्र ऐसा है, जिसमें वह अमेरिका के बराबर आ गया है या कुछ आगे निकल गया है। वह है स्पेस नेवीगेशन। चीन के 'बेइदू' ने अमेरिकी 'जीपीएस' को पीछे कर दिया है। इस बात को अमेरिकी विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' इन दिनों अपने समानव चंद्र मिशन, आर्टेमिस-2 की तैयारी कर रही है, और अगले कुछ दिनों में किसी भी दिन इसका प्रक्षेपण हो जाएगा। इसमें चार यात्री जाएंगे, जो चंद्रमा का चक्कर लगाएंगे। उधर चीनी अंतरिक्ष एजेंसी (सीएनएसए) को उम्मीद है कि वह 2030 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतार देगी। चीन पहले ही कई रोबोट चंद्रमा पर भेज चुका है और चंद्र के नमूने वापस ला चुका है। चीन इस साल अपने नए मेंगझोऊ (ड्रीम शिप) अंतरिक्ष यान की परीक्षण उड़ान आयोजित करने जा रहा है। यह अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्र कक्षा में ले जाएगा। संभव है कि चंद्रमा पर अमेरिकी यात्री पहले उतर जाए, पर इस बात के आसार बन रहे हैं कि स्पेस साइंस में अब अमेरिका के साथ चीन बराबरी के स्तर पर आने की होड़ में है। अभी इसे बराबरी कहना आसान नहीं है, पर एक क्षेत्र ऐसा है, जिसमें वह अमेरिका के बराबर आ गया है या कुछ आगे निकल गया है। वह है स्पेस नेवीगेशन। चीन के 'बेइदू' ने अमेरिकी 'जीपीएस' को पीछे कर दिया है। इस बात को अमेरिकी विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं। चीन को उम्मीद है कि वह 2035 तक चंद्रमा पर समानव वैज्ञानिक बेस का एक बुनियादी संस्करण तैयार कर लेगा, जिसे इंटरनेशनल ल्यूनर रिसर्च स्टेशन (आईएलआरएस) कहा जाएगा। यह बेस चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास बनाया जाएगा, जहां बर्फ के रूप में पानी मौजूद होने की संभावना है। इस परियोजना में रूस भी चीन के साथ है। दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन ने लगभग 20 अरब डॉलर की लागत से चंद्रमा पर एक बेस बनाने का कार्यक्रम शुरू किया है। इसके विपरीत, नासा का आर्टेमिस चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम लगातार पिछड़ रहा है। आर्टेमिस-2 समानव फ्लाई-बाय यान है, लैंडिंग क्राफ्ट नहीं। कई बार स्थगित होने के बाद अप्रैल, 2026 में इसका प्रक्षेपण तय है। पहली अमेरिकी मानवयुक्त चंद्र लैंडिंग को आर्टेमिस-4 तक टाल दिया गया है, जो 2028 से पहले संभव नहीं। चीन का कार्यक्रम, जो तीन दशकों से अधिक समय से एक एकीकृत योजना पर आधारित है, काफी हद तक उस राजनीतिक उथल-पुथल से अछूता रहा है, जो

अमेरिका में चल रही है। चीन का समानव प्रोजेक्ट 921, सितंबर, 1992 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करना है। इस कार्यक्रम के तहत 2003 में चीनी अंतरिक्ष यात्री यांग लीवेई की पहली उड़ान के बाद से लगभग 15 मानवयुक्त मिशन संचालित किए जा चुके हैं। वर्ष 2011 में अमेरिका ने अपने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में चीन को शामिल करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद चीन ने अपना स्टेशन बनाने का फैसला किया और वह बना लिया। तियांगोंग, 2021 से काम कर रहा है और इसमें इस समय तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री काम कर रहे हैं। चीन के किसी भी मानवयुक्त प्रक्षेपण में कोई मानवीय क्षति नहीं हुई है। चीन ने अपनी पंचवर्षीय योजनाओं के दो सत्रों में विमानन और अंतरिक्ष उद्योग को 'स्तंभ उद्योग' का दर्जा दिया है। पहले यह विषय उभरते हुए क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत था। पहली बार, 15वीं पंचवर्षीय योजना (2026-30) में स्पष्ट रूप से 2030 तक चीन को एक अंतरिक्ष शक्ति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पांच वर्षीय योजना में पुनरोपयोगी प्रक्षेपण यानों, बड़े पैमाने पर उपग्रह समूहों और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के व्यावसायीकरण को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें लागत में कमी को दीर्घकालिक व्यवहार्यता के लिए केंद्रीय माना गया है। एक नया 'स्पेस+' दृष्टिकोण बताता है कि उपग्रह अवसंरचना को व्यापक औद्योगिक प्रणाली के हिस्से के रूप में माना जा रहा है, जिसमें केवल संचार के बजाय पृथ्वी की कक्षा के कंप्यूटिंग उपयोग को लेकर दिलचस्पी बढ़ रही है। इस लिहाज से यह साल अमेरिका और चीन दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। चीनी रॉकेट अमेरिकी स्पेसएक्स के फैल्कन 9 के प्रतिस्पर्धी हैं, लेकिन फैल्कन 9 का पहला चरण नियमित रूप से पुनः उपयोग में लाया जा सकता है, और कुछ बूस्टर अब तक 30 बार तक उपयोग में लाए जा चुके हैं। इससे आंतरिक लागत डिस्पोजेबल रॉकेट की तुलना में कहीं कम हो जाती है। नेविगेशन के क्षेत्र में, चीन ने एक ऐसी प्रणाली विकसित की है, जो अमेरिका के जीपीएस के बराबर या उससे भी बेहतर है। सैटेलाइट इंटरनेट के मामले में, यह स्टारलिंक से कई साल पीछे है, जबकि सबसे मुश्किल काम, हजारों सैटेलाइटों को किफायती लागत पर पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने में, वह पीछे है। नेविगेशन सैटेलाइट इतनी ऊंचाई पर होती है कि कुछ दर्जन सैटेलाइट ही पूरी दुनिया को कवर कर सकती हैं, जबकि इंटरनेट नेटवर्क को उपयोगी कवरेज प्रदान करने के लिए, हजारों निचली कक्षा के सैटेलाइटों की आवश्यकता होती है। चीन के पास अभी इतनी बड़ी संख्या में उपग्रहों के प्रक्षेपण की क्षमता नहीं है। बेइदू, अमेरिकी जीपीएस से अधिक उपग्रहों का संचालन करता है। अमेरिकी सरकार के नेविगेशन सलाहकार बोर्ड ने 2023 में स्वीकार किया था कि जीपीएस पिछड़ गया है। आम उपयोगकर्ताओं के लिए, अंतर मामूली है, लेकिन बेइदू की बढ़त महत्वपूर्ण है। चीन के भीतर यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता तक पहुंचता है। चीन ग्लोबल साउथ के देशों में बेल्ट एंड रोड परियोजनाओं में निवेश के साथ-साथ बेइदू प्रणाली को अपनाने पर जोर दे रहा है, ताकि इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक बड़े हिस्से के लिए डिफॉल्ट नेविगेशन बुनियादी ढांचे के रूप में स्थापित किया जा सके। सैटेलाइट इंटरनेट में चीन अभी पीछे है। स्टारलिंक के पास लगभग 8,000 उपग्रह हैं, जो स्पेसएक्स से लगभग 35 गुना अधिक हैं। वे पहले से ही 100 से अधिक देशों को सेवा प्रदान कर रहे हैं। चीन के पास कुछ सौ उपग्रहों का वैश्विक नेटवर्क है, जो मुकाबला नहीं कर सकता। स्टारलिंक को इस बाजार में बड़ी और लगातार बढ़ती बढ़त हासिल है, जो सबसे ज्यादा मायने रखता है। ग्लोबल साउथ के उन क्षेत्रों में किफायती ब्रॉडबैंड सेवा जहां इसकी पहुंच कम है, चीनी नेटवर्क भविष्य में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें बराबरी की कवरेज प्रदान करने में कई साल लगेंगे। बहरहाल, चीनी अंतरिक्ष कार्यक्रम की कुछ उपलब्धियों पर नजर डालें, तो आप मानेंगे कि वह अमेरिका को देर-सवेर पकड़ लेगा। स्वतंत्र अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग, 2021-2022 में तीन मॉड्यूल लॉन्च करके पूरा किया गया। यह लगातार चालू है और इसमें ताइकोनॉट्स छह महीने या उससे ज्यादा समय तक रहते हैं।

देश दुनीया से

अहंकार, मुखौटे और अध्यात्म

जीवन की यात्रा में एक समय ऐसा आता है जब मनुष्य थक जाता है। यह थकान शरीर की नहीं होती, परिस्थितियों की भी नहीं होती, यह थकान होती है खुद को निभाते-निभाते थक जाने की। वर्षों तक हम जो नहीं थे, वही बनने की कोशिश करते रहे। कभी समझदार दिखने के लिए, कभी ज्ञानी, कभी सफल, कभी त्यागी, कभी आध्यात्मिक। इन सब प्रयासों में हम एक बात भूलते चले गए, होना। होना, यानी वह जो हम असल में हैं, हमारा सच्चा रूप, बिना किसी मुखौटे के, लेकिन हम लोगों को प्रभावित करने के लिए, प्रशंसा पाने के लिए, किसी का साथ पाने के लिए, या कुछ ज्यादा धन कमाने के लिए दिखावा करने में इतने व्यस्त हो गए कि 'होना' कहीं पीछे छूट गया। मनुष्य जीवन जीते हुए न जाने कितने मुखौटे पहनता है। यह मुखौटे वह दूसरों को धोखा देने के लिए नहीं पहनता, वह इन्हें स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए पहनता है। हर मुखौटा एक डर से पैदा होता है, अस्वीकृति का डर, महत्वहीन हो जाने का डर, साधारण रह जाने का डर। और इन डरों से बचने के लिए हम अपने बारे में कहानियां गढ़ते हैं। हम बताते हैं कि हम कौन हैं, क्या जानते हैं, क्या समझते हैं, क्या पा चुके हैं। धीरे-धीरे वही कहानियां हमारी पहचान बन जाती हैं। अहंकार इसी प्रक्रिया का नाम है। अहंकार कोई अलग वस्तु नहीं है, वह इन कहानियों का समुच्चय है। यह वह छवि है जिसे हम हर समय संभाल कर रखते हैं ताकि वह छवि कहीं टूट न जाए। जब कोई प्रश्न उस छवि को चुनौती देता है, तो भीतर बेचैनी उठती है। तब हम उत्तर खोजते हैं, तर्क गढ़ते हैं, अपने पक्ष में प्रमाण इक_। करते हैं। यह सारा श्रम आत्म-रक्षा का श्रम है, सत्य की खोज का नहीं। सच्चा अध्यात्म यहीं से शुरू होता है जहां आत्म-रक्षा की आवश्यकता समाप्त होने लगती है। अध्यात्म हमें नया मुखौटा नहीं देता, वह पुराने मुखौटों से मुक्त करता है। वह हमें और अधिक प्रभावशाली नहीं बनाता, वह प्रभाव डालने की इच्छा को ही अप्रासंगिक कर देता है। जिस दिन यह स्पष्ट हो जाता है कि हमें किसी को प्रभावित करने की न इच्छा है, न आवश्यकता, उसी दिन भीतर एक मौन उतरता है। यह मौन खाली नहीं होता, यह अत्यंत भरा हुआ होता है। जब मुखौटे गिरते हैं, तब पहला अनुभव असहजता का होता है। क्योंकि अब हमारे पास दिखाने के लिए कुछ नहीं बचता। न उत्तर, न सिद्धांत, न पहचान। हम पहली बार स्वयं के सामने निर्वस्त्र खड़े होते हैं, न मानसिक अर्थ में, बल्कि अस्तित्वगत अर्थ में, और यह क्षण भयावह भी हो सकता है, क्योंकि अब कोई आवरण नहीं बचा जिसके पीछे छुपा जा सके। यदि हम इस असहजता से भागते नहीं, यदि हम इसमें ठहर जाते हैं, तो धीरे-धीरे यह असहजता विश्राम में बदल जाती है। अध्यात्म का अर्थ किसी ऊंचाई पर पहुंचना नहीं है। अध्यात्म का अर्थ है अपने वास्तविक धरातल पर उतर आना। वहां न कोई विशेष है, न साधारण। वहां केवल होना है। जब हम वहां पहुंचते हैं, तब पहली बार

> मनुष्य जीवन जीते हुए न जाने कितने मुखौटे पहनता है। यह मुखौटे वह दूसरों को धोखा देने के लिए नहीं पहनता, वह इन्हें स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए पहनता है। हर मुखौटा एक डर से पैदा होता है, अस्वीकृति का डर, महत्वहीन हो जाने का डर, साधारण रह जाने का डर। और इन डरों से बचने के लिए हम अपने बारे में कहानियां गढ़ते हैं। हम बताते हैं कि हम कौन हैं, क्या जानते हैं, क्या समझते हैं, क्या पा चुके हैं। धीरे-धीरे वही कहानियां हमारी पहचान बन जाती हैं। अहंकार इसी प्रक्रिया का नाम है। अहंकार कोई अलग वस्तु नहीं है, वह इन कहानियों का समुच्चय है।

हमें यह भी समझ में आता है कि हमें हर प्रश्न का उत्तर क्यों नहीं चाहिए। क्योंकि उत्तर देने की जरूरत वहां होती है जहां हमें कुछ साबित करना होता है, और जहां साबित करने की आवश्यकता नहीं रहती, वहां प्रश्न भी अपना भार खो देते हैं। हम ऐसा करेंगे तो पाएंगे कि जीवन अपने आप सरल होने लगता है। अब बातचीत में प्रदर्शन नहीं होता, संवाद होता है। अब मौन भद्दा नहीं लगता, फूहड़ नहीं लगता, अजीब नहीं लगता, सहज लगता है। अब यह चिंता नहीं रहती कि लोग हमारे बारे में क्या सोचेंगे, क्योंकि भीतर यह साफ हो चुका होता है कि लोग जो भी सोचेंगे, वह उनके मन का विषय है, हमारे अस्तित्व का नहीं। अहंकार की पहली बड़ी विशेषता यह है कि वह हमेशा भविष्य में जीता है और दूसरी विशेषता यह है कि वह किसी भी तरह से अपना महत्व जताना चाहता है। महत्व जताने की क्रिया में लोगों के मन में हमारी छवि महत्वपूर्ण हो जाती है। तब यह सोचना और जानना महत्वपूर्ण हो जाता है कि लोग क्या कहेंगे, क्या मानेंगे, क्या प्रतिक्रिया देंगे। अध्यात्म वर्तमान में लौटना है। वर्तमान में कोई मुखौटा नहीं चाहिए, क्योंकि वर्तमान में हम जैसे असल में हैं, वैसे ही होते हैं, वैसे ही दिखते हैं। वहां केवल जीवन होता है, बहता हुआ, अनगढ़, सजीव। जब हम अपने बारे में कहानियां बनाना छोड़ देते हैं, तब जीवन स्वयं कहानी बन जाता है। अब हमें यह नहीं बताना पड़ता कि हम कौन हैं। तब हमारा होना स्वयं बोलने लगता है। यह बोलना शब्दों में नहीं होता, यह व्यवहार में होता है, उपस्थिति में होता है, करुणा में होता है। खास बात यह है कि यह करुणा कोई सीखी हुई नैतिकता नहीं होती, यह अहम के पिघलने से उपजती है। जब मुखौटे गिरते हैं, तब जीवन में एक गहरी ईमानदारी आती है। इस अवस्था में मनुष्य पहली बार अपने दुख के साथ भी ईमानदार हो पाता है। अब वह दुख को ढकता नहीं, सजाता नहीं, उसे कथा नहीं बनाता, वह बस उसे महसूस करता है। और यही महसूस करना उपचार बन जाता है। क्योंकि दुख का बोझ उससे नहीं बढ़ता कि वह है, वह इसलिए बढ़ता है क्योंकि हम उसे छुपाते हैं, उसे गलत मानते हैं, उसे कमजोरी समझते हैं। बहुत लोग अध्यात्म को भी एक पहचान बना लेते हैं। वे आध्यात्मिक दिखना चाहते हैं, आध्यात्मिक बोलना चाहते हैं, आध्यात्मिक सिद्ध होना चाहते हैं। यह भी एक मुखौटा है- शायद सबसे सूक्ष्म। लेकिन सच्चा अध्यात्म वहां शुरू होता है जहां 'मैं आध्यात्मिक हूं', यह विचार भी गिर जाता है। क्योंकि जैसे ही 'मैं' आता है, वैसे ही दूरी बन जाती है। अध्यात्म हमें सिखाता है कि कमजोर होना कोई दोष नहीं है। दोष केवल यह है कि हम उसे छुपाने की कोशिश करें। जब हम छुपाना छोड़ देते हैं, तब कमजोरी भी शक्ति में बदल जाती है, क्योंकि वह हमें वास्तविक बना देती है। अंततः, मुखौटे उतरने के बाद का जीवन बहुत साधारण दिखता है। उसमें कोई चमत्कार नहीं, कोई नाटकीय मोड़ नहीं, लेकिन उसी साधारणता में एक गहराई होती है, एक स्थिरता, एक सच्चाई। अब जीवन को साबित नहीं करना पड़ता, जीना होता है, और यही सच्चा अध्यात्म है। जहां कुछ दिखाना नहीं है, कुछ बनना नहीं है, कुछ साबित नहीं करना है, बस होना है, और होना ही पर्याप्त है।

आप का नजरीया

रुपए का गंभीर अवमूल्यन

एक अमरीकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 95 तक पहुंच चुकी है। अर्थात हम 95 रुपए खर्च कर एक डॉलर प्राप्त कर सकते हैं अथवा अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर सकते हैं। 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन होता रहा है। डॉलर ही नहीं, ब्रिटिश मुद्रा 'पौंड' के लिए भी हमें 123.84 रुपए खर्च करने होंगे और यूरोप की मुद्रा 'यूरो' की कीमत भी 108 रुपए से अधिक है। 'रुपया' लगातार कमजोर होता रहा है, उसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और आयात-बिल भी महंगे होते रहे हैं। 2013-14 के संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने 'रुपए' को भारत की संप्रभुता और प्रतिष्ठा से जोड़ कर एक संवेदनशील मुद्दा बना दिया था। लोगों ने विश्वास किया और जनादेश भाजपा को दिया। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कालखंड में 'रुपए' में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है और यह सिलसिला अभी जारी है। यह बेहद गंभीर मौद्रिक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस मुद्दे को आसानी से यूं समझा जा सकता है कि फरवरी, 2026 में ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की कीमत 69 डॉलर प्रति बैरल थी। तब हमें एक बैरल कच्चा तेल 6700 रुपए से कुछ अधिक में पड़ता था, लेकिन मार्च में वही तेल 10,640 रुपए बैरल में खरीदा जा रहा है। यानी कीमत 70 फीसदी बढ़ी है, लिहाजा आम आदमी को भी महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ेगा। बेशक कुछ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने पेट्रोल-डीजल महंगे नहीं किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 117 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुके हैं। भाजपा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को लगातार निशाना बनाती थी, जबकि उन्होंने ही देश को आर्थिक मंदी से बचाया था। तब भाजपा अर्थव्यवस्था की कमजोरी और 'रुपए' के अवमूल्यन पर चिंताएं जताती थी। मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दौर में भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं। 'रुपए' की स्थिति को लेकर यूपीए और भाजपा-एनडीए सरकारों की तुलना करना बेहद तार्किक है। तब मई, 2004 में मनमोहन सरकार के शुरुआती दिनों में एक डॉलर की तुलना में 'रुपया' 45.37 पर था। मई, 2014 में यूपीए कालखंड की समाप्ति के वक्त डॉलर की कीमत 58.58 रुपए थी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो 'रुपए' का अवमूल्यन लगातार क्यों होता रहा है? डॉलर 58 रुपए से उछल कर 90-91 रुपए तक कैसे पहुंच गया? आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक दखल न दे, तो एक डॉलर 110 रुपए में पड़ सकता है। ईरान युद्ध की शुरुआत के एक दिन पहले, 27 फरवरी, तक 'रुपया' 90.98 तक गिरा था, लेकिन 31 मार्च, 2026 को 95 तक गिर गया। 100 रुपए की 'चरम स्थिति' कितनी दूर है? बेशक मोदी कालखंड में 'रुपए' का अवमूल्यन ऐतिहासिक रहा है और भारतीय मुद्रा के लिए यह असंतुलित और गंभीर स्थिति है। इसके बावजूद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बयान आया है कि 'रुपया' ठीक चल रहा है। 2022 में उन्होंने अपना 'आर्थिक दर्शन' देश के सामने पेश किया था कि 'रुपया' कमजोर नहीं हुआ है, बल्कि डॉलर मजबूत हो रहा है। हालांकि 'रुपए' के अवमूल्यन का युद्ध से कोई सीधा संबंध नहीं है, लेकिन हमारा आयात युद्ध के कारण महंगा होता जा रहा है, तो हमें आयात के लिए ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है। बेशक भारत में विदेशी मुद्रा का भंडार 700 अरब डॉलर के करीब है और यह 10 माह के आयात के लिए पर्याप्त है, लेकिन हमें आगे की योजना भी तैयार करनी चाहिए। भारत की उम्र मात्र 10 माह नहीं है। इस स्थिति पर भारतीय स्टेट बैंक की एक रपट सामने आई है, जिसमें 'रुपए' की गिरावट के कुछ कारणों को गिनाया गया है। रपट में माना गया है कि 'रुपए' को अब 'शॉक एब्जॉर्बर' बना कर छोड़ना सही नहीं है। इसका उलटा असर पड़ रहा है। सुझाव दिया गया है कि रिजर्व बैंक को विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल करके 'करेंसी मार्केट' में आक्रामक रुख अपनाना चाहिए। पर्याप्त नकदी सुनिश्चित करना जरूरी है। रिजर्व बैंक को छोटी अवधि के बॉन्ड बेच कर लंबी अवधि के बॉन्ड खरीदने चाहिए।

> 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन होता रहा है। डॉलर ही नहीं, ब्रिटिश मुद्रा 'पौंड' के लिए भी हमें 123.84 रुपए खर्च करने होंगे और यूरोप की मुद्रा 'यूरो' की कीमत भी 108 रुपए से अधिक है। 'रुपया' लगातार कमजोर होता रहा है, उसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और आयात-बिल भी महंगे होते रहे हैं। 2013-14 के संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने 'रुपए' को भारत की संप्रभुता और प्रतिष्ठा से जोड़ कर एक संवेदनशील मुद्दा बना दिया था। लोगों ने विश्वास किया और जनादेश भाजपा को दिया। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कालखंड में 'रुपए' में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है और यह सिलसिला अभी जारी है। यह बेहद गंभीर मौद्रिक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस मुद्दे को आसानी से यूं समझा जा सकता है कि फरवरी, 2026 में ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की कीमत 69 डॉलर प्रति बैरल थी। तब हमें एक बैरल कच्चा तेल 6700 रुपए से कुछ अधिक में पड़ता था, लेकिन मार्च में वही तेल 10,640 रुपए बैरल में खरीदा जा रहा है। यानी कीमत 70 फीसदी बढ़ी है, लिहाजा आम आदमी को भी महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ेगा। बेशक कुछ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने पेट्रोल-डीजल महंगे नहीं किए है।

दृष्टि कोण

अंतरराष्ट्रीय विवेचन : भारत-कनाडा संबंध : संवाद से सुधरते रिश्ते

पिछले वर्ष 2025 के आखिर तक कनाडा में लगभग 20 लाख (2 मिलियन) से अधिक भारतीय मूल के निवासियों के होने का अनुमान था। कनाडा में भारतीयों का इतिहास 19वीं सदी के अंत में शुरू हुआ, जब मुख्य रूप से पंजाब से सिख अप्रवासी ब्रिटिश कोलंबिया में काम करने आए। नस्लीय भेदभाव जैसे कामागाटा मारू कांड 1914 का सामना करने के बावजूद, भारतीय समुदाय ने खुद को वहां स्थापित किया और आज भारतीय मूल के नागरिक कनाडा की आबादी का एक प्रमुख, शिक्षित और प्रभावशाली हिस्सा बन गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत और कनाडा के संबंध उथल-पुथल के दौर से गुजरे हैं। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में यह असाधारण नहीं है कि राष्ट्रों के बीच मतभेद उत्पन्न न हों, परंतु परिपक्व नेतृत्व की कसौटी इस बात से तय होती है कि वे मतभेदों को स्थायी दरार बनने से कैसे रोकते हैं। हाल के घटनाक्रमों ने संकेत दिया है कि दोनों देश अब अतीत की कटुता से आगे बढ़कर एक संतुलित, व्यावहारिक और परिणामोन्मुख साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाना चाहते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा और नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी विस्तृत वार्ता ने संबंधों में सुधारों का संदेश दिया है। यदि थोड़ा पीछे की ओर जाएं तो वर्ष 2023 में उपजे विवादों ने द्विपक्षीय संबंधों को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया था। सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप, राजनयिक स्तर पर सख्ती और वीजा प्रक्रियाओं में आई जटिलताओं ने दोनों देशों के बीच विश्वास की लय को बाधित किया था। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उन लाखों भारतीय मूल के लोगों, विद्यार्थियों, पर्यटकों और पेशेवरों पर पड़ा, जिनके लिए कनाडा शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों की भूमि रहा है। पिछले तीन वर्षों में पर्यटन वीजा के आवेदनों पर अस्वीकृतियों और प्रशासनिक विलंब ने भारत के हजारों कनाडा जाने वाले भारतीयों की उम्मीदों पर पानी फेरा है। हालांकि 2024 में, 3.74 लाख व्यक्तियों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की गई, जिनमें से 23 फीसदी भारतीय नागरिक थे, जिनकी कुल संख्या 87812 थी। ऐसे परिदृश्य में उच्चस्तरीय संवाद की शुरुआत केवल औपचारिकता नहीं,

बल्कि विश्वास-निर्माण की आवश्यकता बन गई थी। इसी पृष्ठभूमि में दोनों प्रधानमंत्रियों की वार्ता ने यह स्पष्ट किया कि अतीत की असहमतियों को भविष्य की संभावनाओं पर हावी नहीं होने दिया जाएगा। 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य इसी नई सोच का द्योतक है। भारत आज विश्व की तीव्र गति से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है, जबकि कनाडा संसाधन-संपन्न, तकनीकी दक्ष और स्थिर संस्थागत ढांचे वाला देश है। यदि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को समयबद्ध रूप से अंतिम रूप दिया जाता है, तो कृषि, वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों का विस्तार संभव है। इसलिए यह आवश्यक है कि व्यापारिक अवरोधों में कमी लाकर और निवेश को बढ़ावा देकर दोनों देशों के उद्योग जगत को दीर्घकालिक भरोसा प्रदान किया जाए। इस नई साझेदारी में ऊर्जा सहयोग सबसे ठोस और दूरगामी आयाम बनकर उभरा है। ऐसे में कनाडा की अग्रणी कंपनी कैमको के साथ 2.6 अरब डॉलर का यूरेनियम आपूर्ति समझौता भारत की असैन्य परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करेगा। 2027 से 2035 तक प्रस्तावित आपूर्ति भारत की ऊर्जा सुरक्षा को स्थिरता प्रदान करेगी और स्वच्छ ऊर्जा को गति देगी। अमरीका-इजराइल बनाम ईरान युद्ध के दृष्टिगत ऊर्जा सुरक्षा आज किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए प्राथमिक गारंटी बन चुकी है और इस संदर्भ में यह करार दीर्घकालिक महत्व रखता है। महत्वपूर्ण खनिजों और रेयर अर्थ तत्वों के क्षेत्र में सहयोग भी समान रूप से रणनीतिक है।

यूपी के कृषि मंत्री बलदेव सिंह औलख ने हरमंदिर साहिब में टेका मत्था

अमृतसर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री बलदेव सिंह औलख ने आज अपने परिवार सहित श्रीहरमंदिर साहिब में माथा टेका। दर्शन के बाद वे शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटीके कार्यालय पहुंचे, जहां उन्हें एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि बलदेव सिंह औलख गुरु घर के प्रति गहरी आस्था और सम्मान रखते हैं। उन्होंने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी शताब्दी को समर्पित असम के गुरुद्वारा दोबड़ी साहिब से निकले नगर कीर्तन के उत्तर प्रदेश पहुंचने पर औलख के नेतृत्व में सरकार ने भव्य स्वागत किया था। धामी ने कहा कि नगर कीर्तन के दौरान औलख और उनके परिवार ने पूरे समर्पण के साथ सेवा निभाई, जो सराहनीय है। धामी ने भविष्य में भी इसी तरह सहयोग की उम्मीद जताई। वहीं बलदेव सिंह औलख ने एसजीपीसी द्वारा दिए गए सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

केंद्र सरकार और सुरक्षाबलों ने मिलकर नक्सलवादी शक्तियों का पूर्ण रूप से किया सफाया : डॉ. राजकमल

नक्सलवाद की समाप्ति पर मोदी सरकार को बधाई

मुरादाबाद (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय प्रबंध समिति सदस्य व गोसेवा के क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. राजकमल गुप्ता ने शनिवार को मुरादाबाद स्थित अपने आवास पर प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए नक्सलवाद की समाप्ति पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और अपने सुरक्षाबलों को इस उपलब्धि के लिए साधुवाद देता हूं। डॉ. राजकमल गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार और सुरक्षाबलों ने मिलकर नक्सलवादी शक्तियों का पूर्ण रूप से सफाया कर दिया है। सरकारें अब प्रभावित क्षेत्रों में विकास के काम में जुट गयी हैं, जिससे वहां की जनता का मनोबल ब ?गा। साथ ही जिन लोगों ने आत्मसमर्पण किया है उनका संतोषजनक पुनर्वास भी हो रहा है। श्री गुप्ता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने यह कहा था कि माओ–लेनिनवादी आतंकवाद भारत की आतंरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। एक समय में यह दक्षिण के तिरुपति से नेपाल के पशुपतिनाथ तक एक कॉरिडोर के रूप में फैला हुआ बताया जाता था। सन 2014 में वामपंथी उग्रवाद से भारत में प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी। उड़ीसा, छत्तीसगढ़ का बस्तर, झारखण्ड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के बहुत सारे क्षेत्रों में मानो माओवादियों का ही शासन था। उनके सामने सरकारें लाचार दिखती थी। उन्होंने झिरन घाटी में कांग्रेस के पूरे नेतृत्व का सफाया कर दिया था, बस्तर में 72 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या की थी। उनके रहते प्रभावित क्षेत्रों में विकास के काम करना संभव नहीं था। वह न तो सड़कें बनाने देते थे और न ही विद्यालय। वर्तमान सत्ताधारी पार्टी ने 2014 के अपने चुनाव घोषणा पत्र में ही नक्सलवाद के सफाये का संकल्प लिया था। इसी को पूरा करने के लिए ना सिर्फ प्रभावी योजनाएं बनाईं अपितु, पूरे दृढ़–संकल्प के साथ केंद्र व प्रभावित राज्य सरकारों ने मिलकर संसाधन जुटाए और 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवादी आतंकवाद को हमेशा के लिए समाप्त करने की समय सीमा भी तय की।

नए कानूनों को रद्द करवाने की मांग पर नगूरां व अलेवा में गरजे किसान

जींद (हिंस)। प्रदेश सरकार द्वारा मंडियों में किसानों पर फसल बेचने को लेकर थोपे जा रहे नए कानूनों को रद्द करवाने लेकर शनिवार को किसान तथा आढ़तियों ने हरियाणा संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर अलेवा अनाज मंडी के मुख्य गेट पर ताला लगा कर तथा नगूरां खरीद केंद्र पर धरना देकर विरोध जताया। अलेवा धरने की अध्यक्षता मंडी प्रधान गोविंद लोहान तथा नगूरां में धर्मपाल प्रधान ने की। धरने में मुख्य रूप से भारतीय किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कोथ पहुंचे। इस दौरान नए कानूनों को रद्व करवाने को लेकर किसानों तथा आढतियों ने मुख्य मांगों को लेकर अलेवा थाना प्रभारी रामकुमार तथा नायब तहसीलदार उचाना अशोक कुमार को ज्ञापन सौंपा। धरने दे रहे किसानों का कहना था कि जब तक प्रदेश सरकार मंडी में नए कानूनों का रद्द नहीं करती तब तक ऐसे ही पहले की तरह किसान मंडी में फसल बेचेगें और नए कानूनों का धरना देकर विरोध जारी रहेगा। धरने को संबोधित करते हुए भारतीय किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कोथ ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार किसानों के हितों और देश की खाद्य सुरक्षा को अमेरिका को सौंप रही है। केंद्र सरकार के द्वारा जो ट्रेड डील की गई है, उस से किसान बर्बादी की कागार पर आ जाएगा। नायब सैनी सरकार पर धान खरीद में बड़े घोटाले को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय सरकार किसानों को अपनी फ सल बेचने के लिए अनुचित और दमनकारी शर्तें थोंप रही है। कोथ ने किसानों से कहा कि इस तरह गेट बंद करने से कोई फ ायदा नहीं है। सभी किसानों की फ सल अंदर जाने दो गेट पास काटने दो हमें केवल फ सल बिकवानी है। इसके लिए किसानों को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। इस बात पर सभी ने मंडी का गेट खोल दिया है।

देवदूत बने राजस्थान पुलिस के जांबाज

जयपुर (हिंस)। शहर के ब्रह्मपुरी इलाके में शुक्रवार शाम तेज अंधड़ और बारिश के बीच एक टीन शेड का घर गिरने से दर्दनाक हालात बन गए। मलबे के नीचे एक महिला दब गई, जबकि आसपास टूटे बिजली के तारों में करंट दौड़ रहा था। स्थिति इतनी खतरनाक थी कि कोई भी व्यक्ति महिला को बचाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। सूचना मिलते ही राजस्थान पुलिस के हेड कांस्टेबल भागीरथ और चालक हंसराज मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना अपनी जान की परवाह किए करंट से भरे तारों और मलबे के बीच घुसकर महिला को बाहर निकालने का साहसिक प्रयास किया। दोनों पुलिसकर्मियों ने जोखिम उठाते हुए मलबा हटाया और महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद उसे तुरंत एसएमएस हॉस्पिटल ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है और वह अब सुरक्षित बताई जा रही है। इस साहसिक कार्रवाई ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरत पड़ने पर अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जिंदगी बचाने में भी पीछे नहीं हटती। ब्रह्मपुरी की इस घटना में पुलिसकर्मियों का जज्बा इंसानियत की मिसाल बनकर सामने आया।

गहलोत ने की राजस्थानी भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग

जोधपुर (हिंस)। देश विदेश में बसे करोड़ों राजस्थानियों के गौरव एवं उनकी मातृभाषा राजस्थानी को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने को लेकर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने सदन में अपनी मांग रखी। राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने कहा कि राजस्थानी भाषा केवल एक बोली नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली परंपरा और ऐतिहासिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाना केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि करोड़ों राजस्थान वासियों के स्वाभिमान, पहचान और भावनाओं से जुड़ा हुआ विषय है। राजस्थानी भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करना न केवल भाषा को सम्मान देगा बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी परंपराओं और संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा भी देगा। गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार से विनम्रता के साथ आग्रह किया कि इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर प्राथमिकता के आधार पर सकारात्मक, संवेदनशील और समयबद्ध निर्णय लिया जाए। राजस्थानी भाषा राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास और लोकजीवन की आत्मा है। इसे संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करना करोड़ों राजस्थान वासियों की वर्षों पुरानी भावनाओं, उनके स्वाभिमान और पहचान को सम्मान देने जैसा होगा, साथ ही, यह निर्णय भारत की भाषाई विविधता को और अधिक सशक्त करते हुए एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को भी मजबूती प्रदान करेगा।

हरियालो राजस्थान मिशन को गति : मानसून में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को हरित बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि *हरियालो राजस्थान* राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में आगामी मानसून सीजन में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य तय किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय में वन एवं पर्यावरण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने अधिकारियों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने और पौधारोपण कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है और मुख्य सचिव स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि पौधारोपण अभियान की शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस से होगी, जबकि जुलाई, अगस्त और सितंबर में इसे व्यापक स्तर पर गति दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग पहले से स्थान चयन, गड्ढे तैयार करने और फेंसिंग जैसे कार्य समय पर पूरे कर लें। शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग के सहयोग से उपयुक्त स्थानों का चयन किया जाए। साथ ही भारतीय रेलवे के साथ समन्वय कर रेलवे परिसंपत्तियों पर भी पौधारोपण किया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग को प्रमुख सड़कों और चारागाह भूमि पर वृक्षारोपण की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने मिट्टी की उत्पादकता के अनुरूप पौधारोपण करने और विशेष रूप से गूलर जैसे वृक्षों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएसआर के माध्यम से पौधों की सिंचाई के लिए टैंकर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा *वृक्षमित्रों* की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। *मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान* के तहत किसानों को निःशुल्क फलदार पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही उदयपुर, सिरोही और बांसवाड़ा जिलों में चंदन वन विकसित करने की योजना पर भी काम किया जाएगा, जिसमें ड्रिप सिंचाई और तारबंदी जैसी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

काशी में दिखी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और यूपी के सीएम योगी के बीच बांडिंग

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में *महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य* के शुभारंभ के अवसर पर मध्यप्रेदश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में खास बांडिंग दिखी। शुक्रवार शाम बनारस रेल इंजन कारखाना (बीएलडब्ल्यू) परिसर में आयोजित महानाट्य स्थल से लेकर सर्किट हाउस परिसर में दोनों नेताओं का जबरदस्त बॉन्ड (आपसी तालमेल), शारीरिक भावभंगिमा, सहज बातचीत, आत्मीयता सोशल मीडिया में भी चर्चा का विषय रहा। खासतौर पर कार्यक्रम स्थल पर दोनों मुख्यमंत्रियों की सक्रिय सहभागिता और आपसी समन्वय ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इसके सियासी निहितार्थ भी निकाले जा रहे है। *महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य* के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी में तीन दिवसीय महानाट्य *सम्राट विक्रमादित्य* की भव्य प्रस्तुति का साक्षी बना। सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता और शौर्य से युवा पीढ़ी को परिचित कराने में यह महानाट्य सशक्त माध्यम बन रहा है, जो लोकरंजन के साथ गौरवशाली इतिहास को भी जीवंत कर रहा है। हमारी सरकार की ओर से 1.01 करोड़ रुपए का *सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान*, 21 लाख रुपए का राष्ट्रीय सम्मान और 5–5 लाख रुपए का तीन राज्य स्तरीय सम्मान स्थापित किए गए हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि बाबा विश्वनाथ की पावन धरा काशी में राष्ट्रनायक सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा पर आधारित भारत के स्वाभिमान, नवजागरण और विकास की यात्रा के उत्सव *महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य* के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह महानाट्य नई पीढ़ी को अपने मूल्यों और आदर्शों से जोड़ने के एक वृहद अभियान का हिस्सा भी है।

अवैध बजरी खनन पर शिकंजा, पांच आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर (हिंस)। लूणी थाना पुलिस ने अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बजरी से भरे वाहनों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि लूणी नदी से अवैध रूप से बजरी का खनन कर उसका परिवहन किया जा रहा था। इस संबंध में गोपनीय सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान बजरी से भरा एक डम्पर, एक खाली डम्पर तथा एक बिना नंबर की जेसीबी मशीन बरामद कर जब्त की गई। इस अवैध खनन में संलिप्त आरोपियों में नंदवान निवासी रमेश पटेल पुत्र केवलराम पटेल, तेजाराम पुत्र भलाराम जाट, लिखमाराम पुत्र केवलराम पटेल, सालावास निवासी विरेंद्र पुत्र सोनाराम पटेल तथा कुड़ी निवासी बिरमनाथ पुत्र देवनाथ को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा अवैध खनन में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

SRIMANTA SANKARADEVA UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES
(A State University of the Govt. of Assam)
Narakasur Hilltop, Bhangagarh, Guwahati-781032, Assam
Phone: 06026177313 (O) E-mail: ssuhs_assam@yahoo. in Website: www.ssuhs.ac.in

No.SSUHS/30/2026/1500

EDUCATIONAL NOTICE
(GNM ENTRANCE EXAMINATION 2026)
ADMISSION INTO GNM COURSE IN BOTH GOVT. AND PRIVATE INSTITUTES OF ASSAM UNDER THE DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES, ASSAM FOR THE SESSION 2026-27

In pursuance of the **Assam Gazette Notification No. MER. 206054/786 dated 07-11-2023,** the Entrance Examination for selection of candidates for admission into GNM course in both the Government and Private Institutes of Assam for the session 2026 is scheduled to be held **on 28-06-2026 (Sunday)** at Guwahati, Dibrugarh, Silchar, Jorhat, Barpeta, Tezpur, Diphu, Lakhimpur, Nagaon, Nalbari, Dhubri and Kokrajhar. Online Application Forms shall be available on University website from **10-04-2026 to 30-05-2026.**

A requisite entrance examination fee (non-refundable) shall have to be paid by the candidates only in online mode through the payment gateway available in the University website. The above examination fee is exempted for PwD (Divyang) category of candidates having disability of 40% and above.

Admit Cards will be available online at www.ssuhs.ac.in from **14-06-2026** which can be downloaded after log in.

The online Application Form must be filled up after carefully going through the instructions given along with the Form. Candidates are strictly advised to keep record of the Application Number and Password used by them while submitting the online form, without which they will not be able to download Admit Cards.

However, the applicants may contact the Helpline No. 08048794953 and E-mail: ssuhs.cee2026@gmail.com for any assistance/ queries.

Details including Eligibility Criteria etc. for the GNM Entrance Examination

1. The Entrance Examination shall be held on **28-06-2026 (Sunday)** from 10.00 AM to 12.00 PM at Guwahati, Dibrugarh, Silchar, Jorhat, Barpeta, Tezpur, Diphu, Lakhimpur, Nagaon, Nalbari, Dnubri & Kokrajhar.
2. There will be 1 (one) paper consisting of (a) English (b) Mathematics (c) General Science. The questions of these subjects shall be of Class 10th standard.
3. The total marks of the Examination shall be 100 marks. (100 Questions x 1 Mark each). English - 50 marks, Mathematics - 25 marks and General Science - 25 marks.
4. There shall be no negative marking for wrong answers. Unanswered questions shall be awarded zero marks.
5. The questions will be in both English & Assamese language. However, the candidates will be required to fill in the OMR Sheet of the Entrance Examination in English only.

Eligibility criteria for admission into GNM Course:

1. Applicant must be a citizen of India.
2. Permanent Resident Certificate is mandatory for admission in the Govt. Institutes of Assam.
3. The minimum age for admission shall be 17 years as on 31st December of the year in which admission is sought.
4. The minimum educational eligibility criteria for admission to GNM course:
   a. 10+2 with English and must have obtained a minimum of 40% at the qualifying examination and English individually from any recognized board. Candidates are also eligible from State Open School recognized by State Government and National Institute of Open School (NIOS) recognized by Central Government. However, Science is preferable. Three (core elective) subject marks may be taken for calculating the percentage of marks excluding the marks in English. Also, it has to be ensured the candidate has pass marks in English.
   b. 10+2 with English having 40% of marks in vocational ANM course from the school recognized by Indian Nursing Council.
   c. 10+2 with English having 40% of marks in Vocational Stream-Health care Science from a recognized CBSE board/State/Centre.
   d. Registered ANM with pass marks.
   e. 5% relaxation in qualifying marks for SC/ST candidates as per INC norms.
5. Student shall be medically fit.
6. Student shall be admitted once in a year.
7. The reservation of seats for GNM course in Govt. Institutes shall be as per Assam Govt. norms.

However, the distribution and reservation of seats including admission shall be notified by Directorate of Health Services, Assam in due course of time.

Important note:

1. The merit list shall be prepared based on the total marks obtained by each candidate in the Entrance Examination. If two or more candidates secure the same mark in the Entrance Examination, the inter-se-merit of such candidates shall be determined in order of preference as follows:
   a. Candidates securing more marks in English in the Entrance Examination.
   b. Candidates securing more marks in General Science in the Entrance Examination.
   c. Candidates securing more marks in Mathematics in the Entrance Examination.
   d. If the marks further tally, then marks in English, then General Science, then Mathematics of HSLC (10th standard) Examination shall be considered.
2. The minimum qualifying criteria/ cut off score (minimum percentile) in the Entrance Examination for admission into **GNM Course** for the session 2026 shall be notified in due course.
3. Any information given by the applicant if found to be false, incomplete or any ineligibility criteria detected at any stage later on shall mark her disqualified from the Entrance Examination with all its associated consequences.
4. Asthe form is to be submitted online, the candidates are not required to send any document to the University. All necessary verification/scrutiny of the related documents of the candidates regarding eligibility, reservation etc. will be done at the time of counseling.
5. The candidates are to keep note of their **Application Form and password.**

Controller of Examinations
Srimanta Sankaradeva University of
Omar Health Sciences

-- DIPR /D/VBS-2/5-Apr-26

जीएसटी में कर प्रणाली के सरलीकरण की मांग हुई मुखर

औरैया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संशोधनों की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में व्यापारिक संगठनों ने कर प्रणाली को अधिक सरल, न्यायसंगत और व्यावहारिक बनाने की मांग करते हुए उप जिलाधिकारी सदर अजय आनंद वर्मा को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का कहना है कि नए बर्तनों पर 5 प्रतिशत जीएसटी जबकि पुराने बर्तनों पर 18 फीसदी जीएसटी दर लागू होना तर्कसंगत नहीं है। इस असमानता को समाप्त करते हुए पुराने बर्तनों पर भी 5 प्रतिशत कर निर्धारित करने की मांग की गई है। इसके अलावा, ई–वे बिल और टैक्स जमा होने के बावजूद मामूली कागजी त्रुटियों पर वाहनों को रोककर भारी जुर्माना वसूलने की कार्रवाई पर भी आपत्ति जताई गई। व्यापारियों ने मांग की कि सचल दल की ओर से बाजारों और गोदामों में जांच के बजाए केवल हाईवे पर चेकिंग की व्यवस्था लागू की जाए, ताकि छोटे और ग्रामीण व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके। उन्होंने जीएसटी प्रक्रिया को सरल बनाने, छोटी त्रुटियों पर दंडात्मक कार्रवाई न करने, ईंट भट्टों के लिए पूर्व में लागू समाधान योजना को पुनः शुरू करने तथा फर्जी फर्मों पर रोक लगाने के लिए भौतिक सत्यापन अनिवार्य करने की मांग भी उठाई। साथ ही विक्रेता ने टैक्स जमा न करने की स्थिति में खरीदार पर बोझ डालना अन्यायपूर्ण बताया गया। व्यापारियों ने ऑनलाइन व्यापार पर नियंत्रण लगाने की मांग करते हुए कहा कि इससे छोटे और मध्यम व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं। इस दौरान अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुधीर पुरवार, राजकुमार सक्सेना, गोपाल जी दुबे, अजीत मिश्रा, कन्हैया पोरवाल, शीलू पोरवाल, आशीष वर्मा, हर्षित बिश्नोई एवं अमन गुप्ता सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे।

सांसद ने प्रश्न के माध्यम से रेलवे में नियुक्तियों एवं रिक्त पदों के बारे में ली जानकारी

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर के सांसद द्वारा लोकसभा में देशभर में रेलवे में नियुक्तियों, रिक्त पदों तथा भर्ती प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। इस प्रश्न के उत्तर में रेल मंत्री ने बताया कि में वर्ष 2014–15 से 2024–25 के दौरान कुल 5.08 लाख भर्तियां की गई हैं, जो कि 2004–05 से 2013–14 के दौरान हुई 4.11 लाख भर्तियों की तुलना में अधिक हैं। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि रेलवे में रिक्त पदों को भरना एक सतत प्रक्रिया है, जो परिचालनिक आवश्यकताओं, तकनीकी बदलावों और संगठनात्मक जरूरतों के अनुसार की जाती है। भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से रेलवे भर्ती बोर्ड के माध्यम से संचालित की जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2024 से भर्ती के लिए वार्षिक कैलेंडर प्रणाली लागू की गई है, जिससे अभ्यर्थियों को नियमित अवसर, परीक्षा की निश्चितता तथा भर्ती प्रक्रिया में तेजी मिली है। वर्तमान में 1,43,086 रिक्तियों के विरुद्ध भर्ती प्रक्रिया संचालित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2024 में 92,116 पदों के लिए विभिन्न श्रेणियों–जैसे सहायक लोको पायलट, तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, आरपीएफ, पैरामेडिकल, तथा गैर–तकनीकी पदों–के लिए केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं जारी की गईं। इन पदों के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने परीक्षाओं में भाग लिया और विभिन्न चरणों की परीक्षाएं सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि 42,000 से अधिक अभ्यर्थियों का चयन पैनल तैयार किया जा चुका है, जिनमें अधिकांश पद सुरक्षा श्रेणियों से संबंधित हैं। साथ ही, वर्ष 2026 में सहायक लोको पायलट के 11,127 अतिरिक्त पदों की भर्ती के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। सांसद ने इस विषय को उठाकर रेलवे में रोजगार सृजन और रिक्तियों को भरने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है, जिससे युवाओं को व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बिक्री के नए रिकार्ड किए कायम

नई दिल्ली

मार्च 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बिक्री के नए रिकार्ड कायम किए हैं। मंहिंद्रा की डोमेस्टिक एसयूवी बिक्री 60,272 यूनिट तक पहुंच गई, जो मार्च 2025 के 48,048 यूनिट्स के मुकाबले 25 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्शाती है। वहीं, कुल बिक्री (एक्सपोर्ट और कमर्शियल व्हीकल सहित) 99,969 यूनिट रही, जो पिछले साल के मुकाबले 21 प्रतिशत की ग्रोथ को दिखाती है। पूरे वित्त वर्ष 2026 में कंपनी ने एसयूवी सेगमेंट में अब तक की सबसे अधिक 6,60,276 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो एफवाय 25 के मुकाबले 20 प्रतिशत ज्यादा है। इससे साफ है कि कंपनी की एसयूवी-केंद्रित रणनीति को बाजार में अच्छा रिस्पान्स मिल रहा है। लाइट कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी कंपनी ने अच्छा प्रदर्शन किया। मार्च में इसकी घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 24,928 यूनिट हो गई, जबकि पूरे वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 2,89,597 यूनिट तक पहुंच गया। एक्सपोर्ट में हल्की गिरावट जरूर देखी गई और मार्च में यह 3,968 यूनिट रहा, लेकिन सालाना आधार पर इसमें 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में स्थिरता बनी रही, जबकि थ्री-व्हीलर सेगमेंट में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। मार्च में थ्री-व्हीलर बिक्री 39 प्रतिशत बढ़कर 10,801 यूनिट तक पहुंच गई, जो कंपनी के लिए सकारात्मक संकेत है। इसी बीच कंपनी अपनी लोकप्रिय एसयूवी महिंद्रा स्कारपियो-एन के फेसलिफ्ट वर्जन को अगस्त 2026 में लान्च करने की तैयारी कर रही है।

2028 में ए-क्लास की नई जनरेशन को लान्च करेगी मर्सिडिज

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता कंपनी मर्सडिज ए-क्लास बेंझ अपनी एंट्री-लेवल कार मर्सडिज ए-क्लास को 2028 में ए-क्लास की नई जनरेशन को ग्लोबली लान्च करेगी। यह कार पहले से ज्यादा आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत होगी। खास बात यह है कि यह माडल पेट्रोल, हाइब्रिड और पूरी तरह इलेक्ट्रिक विकल्पों में उपलब्ध रहेगा। नई ए-क्लास को एमएमए प्लेटफार्म पर तैयार किया जाएगा, जिस पर मर्सडिज बेंझ सीएलए भी आधारित है। पावरट्रेन की बात करें तो हाइब्रिड वर्जन में 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन मिलने की संभावना है, जो 156बीएचपी से 212बीएचपी तक की पावर दे सकता है। वहीं इलेक्ट्रिक वर्जन में 58केडब्ल्यूएच और 85केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं। डिजाइन के लिहाज से यह कार पहले से ज्यादा बड़ी और स्पेसियस होगी। इसमें शार्क-नोज फ्रंट डिजाइन और बढ़ी हुई ग्राउंड क्लीयरेंस दी जाएगी, जिससे इसका लुक और भी प्रीमियम नजर आएगा। इंटीरियर में पांच लोगों के बैठने की सुविधा, एडजस्टेबल रियर सीट और बेहतर सस्पेंशन सेटअप जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है, जो राइड क्वालिटी को और बेहतर बनाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

युद्ध के असर से कमोडिटी बाजारों में भारी गिरावट, ऊर्जा संकट ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। वैश्विक तनाव और ऊर्जा संकट के चलते वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल तेज हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेजी से भारत जैसे आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका गहरा गई है। युद्ध के चलते वैश्विक कमोडिटी बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। मार्च महीने में प्रमुख सूचकांक में दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी बड़ी वजह विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली रही। कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही बाजार के लिए कई वर्षों में सबसे कमजोर साबित हुई है। ऊर्जा कीमतों में उछाल से कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। विशेष रूप से उन सेक्टरों पर असर अधिक दिख सकता है, जो कच्चे माल और ईंधन पर ज्यादा निर्भर हैं। इसके अलावा, होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे आने वाले बुवाई सीजन और खाद्यान्न उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है। हालांकि, इस नकारात्मक माहौल के बावजूद ब्रोकरेज हाउस और विश्लेषक पूरी तरह निराश नहीं हैं। उनका मानना है कि मौजूदा संकट अस्थायी है और हालात सामान्य होने पर बाजार में सुधार संभव है। अगले एक साल के लिए बाजार के अनुमानित लक्ष्य में बहुत मामूली कटौती की गई है, जो निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा गिरावट के बीच चुनिंदा सेक्टरों और मजबूत कंपनियों में निवेश के अवसर भी उभर सकते हैं, खासकर वे जो कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी से लाभान्वित हो सकती हैं।

बालासोर के प्लास्टिक उद्योग में ठप पड़ा उत्पादन, मजदूरों पर संकट

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर स्थित गणेश्वरपुर औद्योगिक क्षेत्र में प्लास्टिक उद्योग इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज स्ट्रेट में आपूर्ति बाधित होने के कारण कच्चे माल की कमी हो गई है, जिसका सीधा असर उत्पादन और मजदूरों की आजीविका पर पड़ रहा है। भुवनेश्वर से करीब 205 किलोमीटर दूर बालासोर का गणेश्वरपुर औद्योगिक क्षेत्र, जो प्लास्टिक और पालिमर उत्पादों के लिए जाना जाता है, इन दिनों सुस्त पड़ा है। यहां संचालित लगभग 20 एमएसएमई इकाइयों में उत्पादन लगभग ठप हो गया है। पालिप्रोपिलीन जैसे कच्चे माल की कमी के चलते मशीनें लंबे समय तक बंद रखी जा रही हैं। कारखानों में काम करने वाले मजदूरों की संख्या, जो सामान्य दिनों में 1500 से अधिक थी, अब घटकर 800 से भी कम रह गई है। ठेका मजदूर बताते हैं कि पिछले 15 दिनों से उन्हें काम नहीं मिला है। फैक्टरी प्रबंधन का कहना है कि कच्चा माल उपलब्ध नहीं होने तक उत्पादन शुरू करना संभव नहीं है। दिहाड़ी मजदूरों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार इरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव का असर अब स्थानीय उद्योगों और मजदूरों की आजीविका पर साफ दिखाई देने लगा है।

एयरटेल बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकाम कंपनी, 650 मिलियन ग्राहकों का आंकड़ा पार

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार दिग्गज भारती एयरटेल ने 650 मिलियन ग्राहकों का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर

वैश्विक स्तर पर दूसरी सबसे बड़ी टेलीकाम कंपनी होने का गौरव हासिल किया है। जीएसएमए इंटेलिजेंस की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, यह उपलब्धि हासिल करने वाली एयरटेल देश की एकमात्र भारतीय कंपनी बन गई है। भारत और अफ्रीका के 14 देशों में फैले अपने व्यापक नेटवर्क के साथ कंपनी ने कनेक्टिविटी और डिजिटल नवाचार के नए मानक स्थापित किए हैं। भारत में 368 मिलियन से अधिक ग्राहकों को सेवा दे रही एयरटेल ने 5G प्लस, एक्सस्ट्रीम एयरफाइबर और दुनिया के पहले नेटवर्क-आधारित एआई स्पैम प्रोटेक्शन जैसे अत्याधुनिक समाधानों के जरिए अपनी स्थिति मजबूत की है। वहीं अफ्रीका में कंपनी 179 मिलियन ग्राहकों तक अपनी पहुंच बना चुकी है, जहाँ उसका मोबाइल वित्तीय प्लेटफार्म एयरटेल मनी 52 मिलियन से अधिक लोगों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़कर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रहा है। भविष्य की तैयारियों को लेकर कंपनी अब स्पेसएक्स और यूटेलसैट वनवेब के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से सैटेलाइट ब्राडबैंड के क्षेत्र में कदम रख रही है, ताकि सुदूर ग्रामीण और समुद्री क्षेत्रों में भी निर्बाध इंटरनेट उपलब्ध कराया जा सके।

गिरते बाजार में म्युचुअल फंड का बड़ा दांव, मार्च में निवेश 1 लाख करोड़ के पार

एफपीआई की रिकार्ड बिकवाली के बीच घरेलू फंड्स बने सहारा, सस्ते शेयरों में बढ़ाई हिस्सेदारी

मुंबई

मार्च में शेयर बाजार की तेज गिरावट के बीच घरेलू म्युचुअल फंडों ने अवसर का लाभ उठाते हुए इक्विटी में भारी निवेश किया। विदेशी निवेशकों की रिकार्ड बिकवाली के बावजूद बाजार को स्थिरता देने में इनकी अहम भूमिका रही। शेयर बाजार में मार्च के दौरान भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां निफ्टी में करीब 11 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट कोविड महामारी के बाद की सबसे बड़ी मासिक गिरावट रही। इस गिरावट को घरेलू म्युचुअल फंडों ने निवेश के अवसर के रूप में लिया और शेयरों में जमकर खरीदारी की।

अंतरिम आंकड़ों के अनुसार, मार्च में म्युचुअल फंडों का इक्विटी में कुल निवेश 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। पूरे वित्त वर्ष 2026 में यह निवेश 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष के 4.7 लाख करोड़ रुपये के उच्च स्तर से भी ज्यादा है। दूसरी ओर, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में 1.23 लाख करोड़ रुपये की रिकार्ड बिकवाली की। इसके बावजूद घरेलू फंडों की मजबूत लिवाली ने बाजार पर इसके नकारात्मक प्रभाव को काफी हद तक संतुलित किया।

विशेषज्ञों के अनुसार, इक्विटी योजनाओं में बढ़ते निवेश, सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निरंतर प्रवाह और गिरावट के दौरान एकमुश्त निवेश में तेजी ने म्युचुअल फंडों की खरीदारी को बढ़ावा दिया। साथ ही हाइब्रिड फंडों में इक्विटी आवंटन बढ़ने से भी निवेश में इजाफा हुआ। बढ़ती वित्तीय जागरूकता, डिजिटलीकरण और आय में सुधार के चलते निवेशकों का रुझान म्युचुअल फंडों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि मौजूदा अस्थिरता के दौर में भी घरेलू संस्थागत निवेशक बाजार में संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

टाटा मोटर्स की कारें हुई महंगी

नई दिल्ली । अपने वाहनों की कीमतो में स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने बढ़ोतरी लागू कर दी है। इस बार कीमतों में अधिकतम 1.09 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है, जिसे बढ़ती इनपुट लागतों से जोड़कर देखा जा रहा है। कंपनी की बी-सेगमेंट (सब-4 मीटर) गाड़ियों में मजबूत पकड़ है और वह सी-सेगमेंट में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी में है। इसी दिशा में आने वाले समय में नए माडल लान्च कर पोर्टफोलियो को मजबूत करने की योजना बनाई जा रही है। माडल-वार बढ़ोतरी की बात करें तो टाटा टिगोर के बेस वेरिएंट में सबसे ज्यादा 1.09 प्रतिशत यानी 6,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे इसकी कीमत 5,48,990 रुपये से बढ़कर 5,54,990 रुपये हो गई है। इसके बाद टाटा पंच की कीमत में करीब 5,000 रुपये का इजाफा हुआ है और इसकी नई शुरुआती कीमत 5,64,990 रुपये हो गई है। टाटा नेक्सान के बेस वेरिएंट की कीमत में 5,100 रुपये की वृद्धि हुई है और यह अब 7,36,990 रुपये (एक्स-शोरूम) हो गई है। वहीं टाटा सफारी डीजल की शुरुआती कीमत में 8,700 रुपये की बढ़ोतरी के साथ यह 14,74,990 रुपये तक पहुंच गई है। टाटा टियागो की कीमत में 2,500 रुपये का इजाफा हुआ है, जबकि टाटा क्रुर्व एसयूवी में सबसे कम करीब 0.45 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, सभी माडलों की कीमतें नहीं बढ़ाई गई हैं। हैरियर और कुछ अन्य वेरिएंट्स की कीमतें पहले जैसी ही बनी हुई हैं। दिलचस्प बात यह है कि टाटा अल्ट्राज की कीमत में मामूली 400 रुपये की कटौती की गई है, जो इसकी बिक्री में गिरावट का संकेत मानी जा रही है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अरब डालर घटा, रुपये की कमजोरी बढ़ी

मुंबई

पश्चिम एशिया में फरवरी के अंत में शुरू हुए टकराव और डालर की मजबूती के बीच भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी से गिरावट आई है। रुपये को स्थिर रखने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप ने भी भंडार पर दबाव डाला है। फरवरी 2026 के अंत से लेकर मार्च के अंत तक भंडार में कुल 30.5 अरब डालर की गिरावट हुई है।

इसका मुख्य कारण रुपये में कमजोरी और विदेशी मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का हस्तक्षेप है। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 27 मार्च 2026 को समाप्त सप्ताह में कुल भंडार 10.28 अरब डालर घटकर 688.05 अरब डालर रह गया। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को यह सर्वकालिक उच्च 728.5 अरब डालर पर था। इस दौरान विदेशी मुद्रा संपत्तियों में 6.62 अरब डालर की गिरावट आई, जबकि सोने के भंडार में 3.66 अरब डालर की कमी दर्ज की गई। विशेष निकासी अधिकार में मामूली बढ़ोतरी हुई, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत की स्थिति में गिरावट रही। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में भंडार में कुल 22.72 अरब डालर की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण सोने के भंडार का बढ़ना रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, भंडार की संरचना में बदलाव आया है, सोने का हिस्सा तेजी से बढ़ा है, जबकि विदेशी मुद्रा संपत्तियों में गिरावट जारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक अनिश्चितता और डालर की मजबूती जारी रहती है, तो आरबीआई का हस्तक्षेप भंडार पर दबाव डालता रहेगा। निवेशक और नीति निर्माता इसके प्रभावों पर नजर बनाए हुए हैं, क्योंकि रुपये की कमजोरी और वैश्विक आर्थिक दबाव भारत की अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को प्रभावित कर सकते हैं।

आरबीआई के हस्तक्षेप और डालर की मजबूती के दबाव बढ़ा

इंदौर का विश्वप्रसिद्ध नमकीन हुआ महंगा; सेव-गठिया के बढ़े दाम

इंदौर। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) में जारी युद्ध की लपटों ने अब इंदौर के जायके को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाय चेन) बाधित होने से इंदौर का विश्वप्रसिद्ध नमकीन उद्योग संकट में है। ईंधन और पैकेजिंग सामग्री की लागत बढ़ने के कारण शहर में नमकीन के खुदरा दामों में 10 से 20 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि दर्ज की गई है। इंदौर नमकीन-मिष्ठान्न क्रेता एवं विक्रेता कल्याण संघ के सचिव अनुराग बोथरा ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनके अनुसार, पश्चिम एशिया के संकट ने कमर्शियल कुकिंग गैस और प्लास्टिक आधारित पैकेजिंग सामग्री को काफी महंगा कर दिया है। नमकीन की पैकिंग में उपयोग होने वाली प्लास्टिक थैलियों की कीमत, जो पहले 190 रुपये प्रति किलो थी, अब बढ़कर 300 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसी तरह, रीयूजेबल प्लास्टिक कंटेनरों की कीमतों में भी 50 से 100 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। नमकीन निर्माण में मुख्य भूमिका निभाने वाले खाद्य तेल और कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम बढ़ने से छोटे निर्माताओं के लिए व्यापार करना कठिन हो गया है। विशेषकर उन 1,500 इकाइयों पर सीधा प्रभाव पड़ा है जो पूरी तरह गैस संचालित भट्टियों का उपयोग करती हैं। इंदौर का नमकीन न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी निर्यात किया जाता है, जिससे सालाना करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त होता है।

भारत को रूस का ऊर्जा आफर, तेल व एलएनजी आपूर्ति बढ़ाने की पेशकश

भारत-रूस ऊर्जा सहयोग को मिल सकता है नया बल

मुंबई

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे भारत पर भी दबाव बढ़ा है। इस बीच रूस ने भारत को कच्चे तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति बढ़ाने की पेशकश की है, जो ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से अहम मानी जा रही है। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री देनिस मांतुरोव ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि रूसी कंपनियां भारतीय बाजार में कच्चे तेल और एलएनजी की आपूर्ति स्थिर रूप से बढ़ाने में सक्षम हैं। मांतुरोव ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में ऊर्जा के अलावा उर्वरक, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर भी जोर दिया गया। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव के चलते वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल आया है।

ब्रेंट क्रूड करीब 106 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जबकि भारतीय बास्केट 120 डालर प्रति बैरल के पार निकल गया है। इस बीच भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाकर मार्च में 20.3 लाख बैरल प्रतिदिन कर दिया, जो नौ महीने का उच्चतम स्तर है। हालांकि, पहले मिलने वाली छूट अब कम हो गई है, जिससे कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। ऊर्जा जरूरतों के मद्देनजर भारत और रूस के बीच बढ़ता सहयोग आने वाले समय में वैश्विक ऊर्जा समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

साल 2026 में ऐप्पल 15 से ज्यादा नए डिवाइस करेगी लान्च

नई दिल्ली

टेक दिग्गज ऐप्पल साल 2026 में 15 से अधिक नए डिवाइस लान्च कर सकती है, जिनमें आईफोन, मेक, आईपेड, ऐप्पल वाच और स्मार्ट होम प्रोडक्ट्स शामिल होंगे। इनका मुख्य फोकस नए चिपसेट, डिजाइन अपग्रेड और बेहतर इकोसिस्टम इंटीग्रेशन पर रहेगा। आईफोन लाइनअप में इस बार बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मेक्स में नए ए20 प्रो चिप, उन्नत कैमरा सिस्टम और छोटा डायनेमिक आइलैंड मिलने की संभावना है।

इसके अलावा कंपनी अपना पहला फोल्डेबल आईफोन भी पेश कर सकती है, जिसमें 7.7 इंच की इनर स्क्रीन और 5.3 इंच की आउटर स्क्रीन दी जा सकती है। यह डिवाइस आईओएस 27 के साथ बेहतर मल्टीटास्किंग अनुभव देगा। वियरेबल सेगमेंट में ऐप्पल वाच सीरीज 12 और ऐप्पल वाच अल्ट्रा 4 के लान्च की उम्मीद है। इन स्मार्टवाच में नए चिप अपग्रेड, बेहतर परफार्मेंस और टच

आईडी जैसे एडवांस सिक्योरिटी फीचर्स देखने को मिल सकते हैं, जिससे यूजर एक्सपीरियंस और मजबूत होगा। आईपेड लाइनअप में आईपेड 12 और नया आईपेड मिनी शामिल हो सकता है।

आईपेड मिनी में ओलेड डिस्प्ले, प्रो-सीरीज चिप, बेहतर आडियो और वाटर-रेसिस्टेंट डिजाइन मिलने की संभावना जताई जा रही है। वहीं मेक सेगमेंट में मेक स्टूडियो, मेक मिनी, आईमेक और नया मेकबुक प्रो लान्च हो सकता है, जिनमें एम5 और एम6 सीरीज के पावरफुल चिप्स दिए जाएंगे। इसके अलावा कंपनी स्मार्ट होम कैटेगरी में भी तेजी से विस्तार कर रही है। नया एप्पल टीवी, होमपाड मिनी और एक स्मार्ट होम हब लान्च किया जा सकता है।

स्मार्टफोन आईकू 15 अपेक्स एडिशन लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में आईकू कंपनी ने अपने लेटेस्ट स्मार्टफोन आईकू 15 अपेक्स एडिशन को लान्च कर दिया है। यह नया वेरिएंट कंपनी के पहले से मौजूद अल्फा और लेजेंड कलर आप्शंस के साथ लाइनअप में शामिल हो गया है। फोन में क्वालकाम का फ्लैगशिप स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 प्रोसेसर दिया गया है, जो 3 एनएम तकनीक पर आधारित है और हाई-परफार्मेंस के लिए जाना जाता है। डिवाइस में 6.85 इंच का 2के रिजाल्यूशन वाला एलटीपीओ अमोलेड डिस्प्ले मिलता है, जो 144एचझेड तक के रिफ्रेश रेट और 6000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। इसके साथ ही यूजर्स को वेट फिंगर कंट्रोल और एंटी-रिफ्लेक्टिव स्क्रीन जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं। आईकू 15 अपेक्स एडिशन में 7000 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है, जो 100वाट वायर्ड और 40वाट वायरलेस फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें 50एमपी का सोनी आईएमएक्स921 प्राइमरी सेंसर, 50एमपी टेलीफोटो पेरिस्कोप लेंस और 50एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा दिया गया है, जबकि फ्रंट में 32एमपी का सेल्फी कैमरा मौजूद है। यह स्मार्टफोन 12जीबी +256जीबी और 16जीबी+512जीबी स्टोरेज वेरिएंट में उपलब्ध है, जिसकी प्रभावी कीमत क्रमश: 66,999 रुपये और 73,999 रुपये रखी गई है। इसकी बिक्री 6 अप्रैल से शुरू होगी और ग्राहक इसे आनलाइन प्लेटफार्म्स के साथ आफलाइन स्टोर्स से भी खरीद सकेंगे। प्री-बुकिंग करने वाले ग्राहकों को कंपनी की ओर से आकर्षक आफर्स दिए जा रहे हैं, जिनमें फ्री टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स, बैंक डिस्काउंट और नो-कास्ट ईएमआई।

आईपीएल 2026 : सीएसके पर जीत के बाद पंजाब किंग्स को झटका, धीमी ओवर गति के कारण श्रेयस अय्यर पर जुर्माना

चेन्नई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 7 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान श्रेयस अय्यर पर बड़ी कार्रवाई की गई है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले के दौरान टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण उन पर जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर-रेट से जुड़ा है, यह पंजाब किंग्स का इस सीजन का दूसरा अपराध था। इसके चलते श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, प्लेइंग इलेवन के अन्य खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर भी कार्रवाई करते हुए या तो 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया है।

शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 210 रनों के मुश्किल लक्ष्य को 18.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। टीम ने 8 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की। यह इस सीजन में पंजाब की लगातार दूसरी जीत है, जिससे अंक तालिका में उसकी स्थिति मजबूत हुई है। लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 50 रन बनाकर पारी को संभाला और टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। वहीं इम्पैक्ट प्लेयर प्रियांश आर्य ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए मात्र 11 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनकी आक्रामक शुरुआत ने मैच का रुख पंजाब की ओर मोड़ दिया। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209/5 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने 43 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेली, जबकि शिवम दुबे ने नाबाद 45 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, प्रमुख गेंदबाज मथीशा पथिराना की गैरमौजूदगी टीम को भारी पड़ी और गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में असफल रहे। पंजाब किंग्स की ओर से विजयकुमार वैशाख ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट हासिल किए। उनकी गेंदबाजी ने सीएसके के स्कोर को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई। जीत के बावजूद धीमी ओवर-रेट के कारण हुई कार्रवाई ने पंजाब किंग्स के जश्न को थोड़ा फीका जरूर कर दिया, लेकिन टीम का प्रदर्शन इस मुकाबले में शानदार रहा।

न्यूज ब्रीफ

आरसीबी के वीडियो में विराट कोहली का मजेदार जवाब, मैं विदेशी खिलाड़ी नहीं हूं

बेंगलुरु। रायल्स चेलेंजर बेंगलुरुने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत शानदार अंदाज में करते हुए सनराइज हैदराबाद के खिलाफ जीत दर्ज की है। अब टीम का अगला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स के साथ रविवार को होना है। इस अहम मैच से पहले आरसीबी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो साझा किया है, जिसमें दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अपने अंदाज में सवालों का जवाब देते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कोहली से मजाकिया अंदाज में पूछा गया कि क्या वह विदेशी खिलाड़ी हैं, क्योंकि सोशल मीडिया पर इस तरह के मीम्स वायरल होते रहते हैं। इस पर उन्होंने हंसते हुए कहा, क्या आपको लगता है कि मैं विदेशी खिलाड़ी हूं ये सवाल आप विदेशी खिलाड़ियों से पूछिए, मैं विदेशी नहीं हूं। दरअसल, आईपीएन के नियमों के अनुसार किसी भी टीम की प्लेइंग इलेवन में केवल चार विदेशी खिलाड़ियों को ही शामिल किया जा सकता है। कोहली का यह जवाब फैंस को खूब पसंद आ रहा है। आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के अनुभव को लेकर कोहली ने कहा कि टीम लंबे समय से इस ट्राफी का इंतजार कर रही थी और जीत के बाद उन्हें काफी राहत महसूस हुई। उन्होंने यह भी बताया कि उनके लिए यह जीत कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। अपने लुक और स्टाइल को लेकर पूछे गए सवाल पर कोहली ने साफ कहा कि वह किसी को प्रभावित करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी पसंद के अनुसार हेयरस्टाइल और टैटू करवाते हैं। उनका मानना है कि जब आप खुद को लेकर अच्छा महसूस करते हैं, तो इसका असर आपके प्रदर्शन पर भी पड़ता है। टीम में नई प्रतिभाओं के आने से असुरक्षा के सवाल पर भी कोहली ने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया और कहा कि उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने मजाक में कहा कि वह दूसरों के साथ भी काम करने को तैयार हैं।

आईपीएल 2026 अर्जुन तेंदुलकर के लिए करो या मरो का मौका, बोले- खेल का मजा लेने पर है फोकस

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन अब तक आइपीएल में कोई खास पहचान नहीं बना पाए हैं, ऐसे में यह सीजन उनके करियर के लिए निर्णायक माना जा रहा है। वह इस बार लखनऊ सुपर जाइन्टस की ओर से खेलते हुए अपनी छाप छोड़ने के इरादे से उतरेंगे। घरेलू क्रिकेट में मुंबई से गोवा शिफ्ट होने के बाद अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी में सुधार दिखाया है और कई मौकों पर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि वह अब भी अपने कम्फर्ट जोन से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं। एक पाडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने कहा कि वह फिलहाल अपने खेल को एंजाय कर रहे हैं और उसी पर ध्यान दे रहे हैं। अर्जुन के करियर में दबाव की बात भी अक्सर उठती रही है, खासकर उनके पिता की विरासत के कारण। इस पर उन्होंने साफ कहा कि वह बाहरी अपेक्षाओं के बजाय अपने खेल पर फोकस करते हैं। उनके मुताबिक, वह क्रिकेट किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के चलते खेलते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता मेहनत करना और खेल का आनंद लेना है।

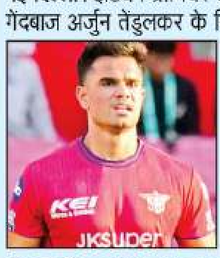

तनाव से बचने क्रिकेट खिलाड़ी गोल्फ भी खेलें : युवराज

नई दिल्ली। पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह ने क्रिकेटरों को सलाह दी है कि वे मानसिक थकान से राहत पाने के लिए गोल्फ खेलने का भी आनंद लें। युवराज के अनुसार क्रिकेटरों को तनाव से बचने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना चाहिए। युवराज ने कहा है कि उन्होंने संन्यास के बाद गोल्फ खेलना शुरु किया था। युवराज अब दूसरी इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। उनका कहना है कि क्रिकेटरों को अपने करियर के दौरान ही गोल्फ भी खेलना भी जारी रखना चाहिये। साथ ही कहा कि मुझे भी पहले ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए था, इससे मुझे क्रिकेट में भी सहायता मिलती। गोल्फ खेलने का फायदा ये होता है कि शरीर को आराम मिलने के साथ ही तनाव भी कम होता है। युवराज ने कहा, इसी कारण अधिकतर विदेशी क्रिकेटर शुरुआत से ही गोल्फ खेलते आ रहे हैं। युवराज ने कहा कि गोल्फ के बारे में माना जाता है कि ये बड़े लोगों का खेल है जो सही नहीं है। वास्तविकता है कि यह एक ऐसा खेल है जो सभी के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा, हम गोल्फ को एक एलीट खेल के तौर पर देखते हैं पर हमें ये देखना चाहिये कि देश का हर बच्चा गोल्फ खेले। हम गोल्फ को स्कूलों तक ले जाने का प्रयास करेंगे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के बाद सामुदायिक पावर हाउस के रूप में जाने जाएंगे सिद्दी पहलवान

अंबिकापुर (छत्तीसगढ़)

प्रतिभा को किसी परिचय की जरूरत नहीं होती- यह कहावत खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में सच साबित हुई, जहां कर्नाटक के सिद्दी समुदाय के पहलवानों ने मैट पर अपनी जबरदस्त छाप छोड़ी है। उनकी यह सफलता अब सिर्फ़ पदकों तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे समुदाय के कुश्ती के क्षेत्र में एक ताकत के तौर पर उभरने का प्रतीक है। अफ्रीकी मूल के भारत में लगभग 50,000 सिद्दी लोग रहते हैं, जिनमें से एक-तिहाई कर्नाटक में निवास करते हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में कर्नाटक के 9 पहलवानों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 4 सिद्दी समुदाय से थे। इन चार पहलवानों में से तीन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि एक को रजत पदक मिला। स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवानों में मनीषा जुआवा सिद्दी (76 किग्रा), रोहन एम डोड्डामणि (ग्रीको रोमन 60 किग्रा) और प्रिंसिता पेदरू फर्नांडिस सिद्दी (68 किग्रा) शामिल हैं जबकि शालिना सेयर सिद्दी (57 किग्रा) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इन पहलवानों की सफलता न सिर्फ उनके संघर्ष और मेहनत की कहानी कहती है, बल्कि कुश्ती जैसे खेलो में सिद्दी समुदाय के बढ़ते वर्चस्व को भी दिखाता है। कर्नाटक के इन चारों पहलवानों का दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में ट्रायल हुआ था और वहां भी ये पहले नंबर पर रहे थे। सिद्दी समुदाय के प्रदर्शन से कर्नाटक कुश्ती टीम की कोच ममता बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। ममता ने साई मीडिया के हवाले से कहा, जैसे हमारे देश में कुश्ती में हरियाणा का दबदबा है तो ठीक वैसे ही हमारे राज्य में अहलियाल क्षेत्र का कुश्ती में वर्चस्व रहता है। राज्य में डिपार्टमेंट आफ यूथ एंड डेवलपमेंट एंड सेंटर मुख्य रूप से इन्हीं सिद्दी समुदाय के लिए है। इनके बच्चे यहीं पर ट्रेनिंग करते हैं। पिछले कुछ समय से इन समुदाय के लोगों के अंदर कुश्ती का क्रेज बढ़ा है और वे अब अपने बच्चों को कुश्ती में भेजने लगे हैं। उत्तरी कर्नाटक के धारवाड़ जिले से आने वाले पुरुष पहलवान रोहन एम. डोड्डामणि भी इसी समुदाय से आते हैं। डोड्डामणि की मां सरकारी स्कूल में खानी पकाती हैं जबकि पिता का छह साल पहले ही देहांत हो चुका है। रोहन ने कहा, सिद्दी समुदाय के अंदर हर समय-समय छोटे दंगल होते रहते हैं और जो इनमें जितता है,उन्हें ज्यादा से ज्यादा पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाता है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में स्वर्ण जीतने से पहले मैं सीनियर नेशनल चैंपियनशिप, नेशनल गेम्स और आल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी भाग ले चुका हूं। देश में खिलाड़ियों के अंदर छिपी प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें एक बेहतर मंच देने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और खेल मंत्रालय ने मिलकर 2018 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स की शुरुआत की थी। उसके बाद खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और अब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत हुई है।

साई के टैलेंट डेवलपमेंट कमेटी के सदस्य महा सिंह राव कहते हैं, साई और खेल मंत्रालय की तरफ से हम कम उम्र के प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करते हैं ताकि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का जो सपना है कि 2036 ओलंपिक खेल भारत में हो, उस सपने को साकार करने के लिए ये सरकार की रणनीति का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री के अलावा खेल मंत्री, साई और हम इस सपने को साकार करने में लगे हुए हैं कि आगे आने वाले ओलंपिक खेलों में हम ज्यादा से ज्यादा मेडल जीते।

उत्तर कन्नड़ कारवार जिले से आने वाली शालिना सेयर सिद्दी ने इस प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने के बाद कहा, हमारे समुदाय में कुश्ती को लेकर अब लोग दिलचस्पी लेने लगे हैं। मैंने अपने अंकल के कहने पर कुश्ती शुरू की थी और शुरू से ही वह मुझे ट्रेनिंग देते आ रहे हैं। मैंने इस प्रतियोगिता के लिए मेहनत तो पूरी की थी, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था और मैं स्वर्ण जीतने से चूक गई।

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ कारवार जिले से ही आने वाली प्रिंसिता सिद्दी ने कहा, शुरुआत में मुझे कुश्ती में दिलचस्पी नहीं थी और मैं बहुत रोई थी। लेकिन फिर धीरे-धीरे जब हमारे समुदाय के बच्चे इसमें भाग लेने लगे तो उन्हें देखकर मैं भी प्रैक्टिस करने लगी। यहां तक पहुंचने के लिए मैं शाम-सुबह दो-दो घंटे प्रैक्टिस करती हूं। मुझे इंटरनेशनल लेवल पर मेडल लाना है और इसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं।

इन पहलवानों की सफलता इस बात को सिद्ध करती है कि जब सही मंच, ट्रेनिंग और सपोर्ट मिलता है, तो दूरदराज के समुदायों से भी प्रतिभाएं शिखर तक पहुंच सकती हैं और भारत के खेल भविष्य को आकार दे सकती हैं।

फिडे कैंडिडेट्स 2026, राउंड 5

जावोखिर सिंदारोव ने हिकारू नाकामुरा को हराकर बढ़त बरकरार रखी, प्रज्ञानानंद ने खेला ड्रा

नई दिल्ली

साइप्रस में खेले जा रहे फिडे कैंडिडेट्स 2026 के पांचवें राउंड में जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हिकारू नाकामुरा को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिंदारोव 5 राउंड के बाद 4.5 अंकों के साथ एकमात्र बढ़त पर बने हुए हैं। सिंदरोव ने मुकाबले में सही समय पर सेंटर में ब्रेक और सक्रिय रूख के खेल के जरिए नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने व्हाइट के क्वींसाइड विस्तार को सजा दी, इसके बाद 16वीं चाल में खेलकर दबाव बनाया और धीरे-धीरे अपने मोहरों को बेहतर स्थिति में पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने किंगसाइड पर चालों से दबाव बढ़ाया। 41वीं चाल में के साथ निर्णायक प्रहार करते हुए उन्होंने मुकाबला अपने नाम किया। वहीं भारत के आर प्रज्ञानानंद ने लगातार दूसरे मुकाबले में ड्रा खेला। उन्होंने आंद्रेई एसिपेंको के खिलाफ थ्रीफोल्ड रिपीटेशन के जरिए अंक बांटे। प्रज्ञानानंद ने संतुलित शुरुआत की, लेकिन दोनों खिलाड़ी कोई भी निर्णायक बढ़त नहीं बना सके और मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। चौथे राउंड में हार के बाद भारत की दिव्या देशमुख ने वापसी करते हुए तान झोंगयी के खिलाफ ड्रा खेला। मुकाबला शुरुआत से ही संतुलित रहा, जहां दोनों खिलाड़ियों ने जल्दी कास्टलिंग कर अलग-अलग विंग्स पर खेलना शुरू किया। मिडिल गेम में तान ने नाइट मूव्स से दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन दिव्या ने और समय पर किंग को सेंटर में लाकर बेहतरीन बचाव किया। 42वीं चाल के बाद उन्होंने पर्पेचुअल चेक के जरिए ड्रा सुनिश्चित किया। अन्य मुकाबलों में कातेरिना लाग्नो ने बिबिसारा असाउबायेवा को हराया। ओपन वर्ग में फैबियानो कारुआना ने मथियास ब्लूबाउम को मात देकर 3.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि अनिश गिरी और वेई यी के बीच मुकाबला ड्रा रहा।

महिला वर्ग के एक अन्य मुकाबले में झू जिनर ने आर वैशाली को हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

उद्घाटन समारोह से पहले ही शुरु हो जाएंगे ओलंपिक में फुटबाल मुकाबले : आईओसी

एथेंस। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लास एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबाल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे। आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे। ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे। वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयार्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नाकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे। इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है। वहीं फुटबाल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबाल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था। आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे। इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा। फुटबाल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा। ओलंपिक 2028 में फुटबाल टूर्नामेंट में बड़ा बदलाव इसलिए किया जा रहा है जिससे यह टूर्नामेंट पहले से ज्यादा रोमांचक बन सके।

महिला क्रिकेट : न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 66 रन से हराकर जीती वनडे सीरीज

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को तीसरे वनडे मुकाबले में 66 रन से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व मैदान पर शनिवार (4 अप्रैल) को खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम महज 3 रन पर 3 विकेट गंवा बैठी। तुमी सेखुखुने ने सूजी बेट्स और अमेलिया केर को आउट कर शुरुआती झटके दिए, जबकि अयांडा ह्लूबी ने जार्जिया प्लिमर को पवेलियन भेजा।

इसके बाद मैडी ग्रीन और ब्रूक हालिडे ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 211 रनों की बड़ी साझेदारी की। मैडी ग्रीन ने नाबाद 141 रन बनाए, जबकि ब्रूक हालिडे 98 रन बनाकर शतक से चूक गईं। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट पर 306 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने अच्छी शुरुआत की और ओपनर्स ने 68 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान लारा वोलवार्ईट और एनरी डर्कसन ने 77 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, वोलवार्ईट के आउट होते ही टीम लड़खड़ा गई और स्कोर 145/1 से 154/4 हो गया।

इसके बाद साउथ अफ्रीका की पारी बिखर गई और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। रोजमेरी मेयर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए और पूरी टीम को 46.1 ओवर में 240 रन पर समेट दिया।

संक्षिप्त स्कोर:

न्यूजीलैंड: 306/7 (50 ओवर) - मैडी ग्रीन 141*, ब्रूक हालिडे 98

साउथ अफ्रीका: 240 आलआउट (46.1 ओवर) - लारा वोलवार्ईट 69, एनरी डर्कसन 47

न्यूजीलैंड 66 रन से विजेता।

चाईबासा में 5 अप्रैल से अंतर जिला सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता, 15 अप्रैल को फाइनल

पश्चिमी सिंहभूम

झारखंड में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम पहल के तहत अंतर जिला सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 05 अप्रैल से चाईबासा में होने जा रहा है। झारखण्ड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के सभी ग्रुप-ए मुकाबले चाईबासा स्थित बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

संघ की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार ग्रुप-ए में गत वर्ष की चैंपियन रांची के अलावा सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा और खूँटी की टीमें शामिल हैं। इस ग्रुप के सभी लीग मुकाबलों के साथ-साथ सुपर डिवीजन के तीन मैच और फाइनल भी चाईबासा में ही आयोजित होंगे।

टूर्नामेंट टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। उद्घाटन मुकाबला 5 अप्रैल को सुबह 9 बजे लोहरदगा और खूँटी के बीच खेला जाएगा। इसी दिन दोपहर 1 बजे सिमडेगा और गुमला की टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद 6 से 9 अप्रैल तक रोजाना दो-दो लीग मैच खेले जाएंगे, जिसमें सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी।प्रतियोगिता का अगला चरण यानी सुपर डिवीजन के मुकाबले 11 से 13 अप्रैल के बीच आयोजित होंगे, जबकि फाइनल मैच 15 अप्रैल को खेला जाएगा।

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के महासचिव असीम कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के ठहरने एवं खानपान के साथ-साथ मैदान की तैयारियों का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

उन्होंने बताया कि मैचों में अंपायरिंग की जिम्मेदारी जमशेदपुर के अभिषेक और हेमंत ठाकुर निभाएंगे, जबकि खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए महिला चयन समिति की अध्यक्ष कविता राय पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहेंगी। वहीं, पूर्व रणजी खिलाड़ी और जेएससीए के आजीवन सदस्य तड़ित घोष को लाइजनिंग आफिसर बनाया गया है, जो प्रतियोगिता के उद्घाटन की औपचारिकता भी निभाएंगे।

ऋषभ पारी की शुरुआत की जगह निचले क्रम पर ही खेलें : पीटरसन

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने कहा है कि लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को पारी की शुरुआत नहीं करनी चाहिये। पीटरसन के अनुसार इससे ऋषभ पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है जिससे उनकी बल्लेबाजी खराब हो रही है। पीटरसन के अनुसार इस बल्लेबाज का शीर्ष क्रम की जगह अपने वास्तविक क्रम पर खेलना चाहिए। पीटरसन के अनुसार शीर्ष क्रम पर खेलने के कारण वह अपने खेल का आनंद लेने की जगह पर बिना कारण दबाव में आ रहे हैं। वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में केवल सात रन ही बना पाये जिससे उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। पीटरसन का कहना है कि इस बल्लेबाज का पारी की शुरुआत में उतरना ठीक नहीं लगता। पीटरसन ने कहा, जब आप लखनऊ की टीम की बल्लेबाजी क्षमता को देखते हैं तो सवाल उठता है कि क्या ऋषभ पंत वास्तव में सलामी बल्लेबाज हैं। मुझे लगता है कि पिछले साल की तुलना में उन्हें इस साल बल्लेबाजी क्रम में कुछ ज्यादा ही ऊपर भेज दिया गया है। इंग्लैंड के कप्तान ने कहा, पिछले साल उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में नीचे खेलने का फैसला किया और अब वह अचानक से कह रहे हैं कि मैं शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करूंगा।

बेहतर होगा इन फल-सब्जियों को न खाना

आज लोगों को अगर सबसे ज्यादा समस्या किसी चीज की है तो वह है खान-पान। लोग अपने अपने दिनभर के कार्यों के दौरान यह ध्यान ही नहीं देते कि उन्हें जरूरी भोजन के रूप में कौन-कौन से फल और सब्जियों को उपयोग करना चाहिए, जिससे उन्हें जरूरत के मुताबिक जरूरी प्रोटीन और कैलेरी मिल सके। वहीं ज्यादतर रात का खाना खाते समय यह नहीं देखते की इन से कहीं कोई फूट पाइजिंग तो नहीं हो रही।

बदलते मौसम के साथ ही हमे अपने खान-पान पर भी ध्यान देना जरूरी है। खान-पान कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जो अपके शरीर को नुकसान दे सकती है। कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में अपको विशेष ध्यान देने के साथ ही इनके नुकसान से बचना चाहिए। इन खास चीजों के बारे में हम आपको बता रहे हैं।

रिफाइंड फ्लोर्स

ये ब्लड शुगर, इंसुलिन स्तर और फैट स्टोरेज को बढ़ाते हैं। डाइजेस्ट करने में कठिन होते हैं और पेट की पाचन प्रक्रिया को डिस्टर्ब करते हैं।

बींस

बींस में ऑलिगोसैराइड्स नामक शुगर होता है, जिसे मानव शरीर आसानी से तोड़ नहीं पाता। जब यह अपके शरीर की छोटी आंत में प्रवेश करता है, तो बैक्टीरिया इन पर काम करना शुरू करता है और पेट में आदि गैस बनने लगती है।

फूलगोभी और शिमला मिर्च न खांए रात में

रात में फूलगोभी, ब्रोकलि, गोभी, शिमला मिर्च जैसी सब्जियां बचे क्योंकि इन्हें खाकर हो सकता है कि आप आराम से सो न पाएं। यह गैस बनाने वाली सब्जियों की सूची में सबसे पहले नंबर होती है। कम से कम रात को इन्हें न खाएं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है जिसमें घुलनशील फाइबर होता है, जो पानी को अवशोषित करता है। ये आंत में पाचन के दौरान टूट जाते हैं और इनकी वजह से गैस बनना शुरू हो जाती है।

मेडिकल लैब टेक्नीशियन में बेहतरीन कॅरियर

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डॉक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन के रूप में आप अपने कॅरियर का चुनाव कर सकते हैं। इसकी विदेशों में भी काफी मांग है।

नेचर ऑफ वर्क: नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर

जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है। मेडीकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

अपॉर्चुनिटीज: सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को 30 हजार रुपए से 40 हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है। आप किसी भी मेडिकल लैबोरेटरी में काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है।

स्टडी सेंटर्स...

- डेल्ही पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- शिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पैरामेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी

गर्मी में गैजेट्स को भी रखें कूल

जिस तरह से इंसानो को गर्मी में अपने शरीर को ठंडा रखने और तेज धूप से बचने की हिदायत दी जाती है वैसे ही आपको अपने गैजेट्स को भी इसी तरह से गर्मी से बचाकर रखना चाहिए। गर्मी के दिनों में गैजेट्स का भी बुरा हाल होता है। कई बार तो यह समस्या इतनी बढ़ जाती है कि गैजेट्स की परफॉर्मेंस ही गड़बड़ा जाती है। गर्मी के कारण लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन में भी परेशानी आ सकती है और वो हैंग या अन्य प्रकार से समस्या पैदा कर सकते हैं। लेकिन इस गर्मी से अपने गैजेट्स को बचाने के कुछ उपाय भी हैं, जिनकी मदद से आप अपने गैजेट्स को गर्मी में भी रख सकते हैं कूल।

गर्मियों में बाहर जाकर लैपटॉप या स्मार्ट फोन पर काम करते समय कुछ बातों का ख्याल रखें ताकि आपके लैपटॉप की उम्र लंबी बनी रहे। सबसे पहली बात ख्याल रखें कि लैपटॉप या स्मार्ट फोन लेकर आप धूप में न बैठें। इससे ये जल्दी गर्म हो सकते हैं और ज्यादा गर्मी के चलते उनकी मशीन खराब भी हो सकती है। कार में लैपटॉप रखकर काम कर रहे हैं तो काम खत्म होने के बाद उसे बंद करके रखें। उसे खुला छोड़कर कार के अंदर रखने से वो गर्म हो सकता है। गर्मियों में कार के अंदर का तापमान भी तेजी से गर्म होता है। ऐसे में मशीन भी जल्दी ही गर्म हो सकती है। अपने लैपटॉप और स्मार्ट फोन को धूल मिट्टी से दूर रखे। गर्मियों में अक्सर दिन के समय बाहर गर्म हवाएं चलती हैं और साथ ही धूल भरी आंधी भी। इन धूल भरी आंधियों के चलते इन गैजेट्स की मशीन में धूल मिट्टी जम सकती है जो कि इनकी उम्र कम कर देती है। लैपटॉप कूलिंग पैड का इस्तेमाल करें इससे आपका लैपटॉप जल्दी गर्म भी नहीं होगा और लैपटॉप की मशीन की उम्र भी लंबी बनी रहेगी। अगर आपके लैपटॉप की रैम कम है तो उसमें बड़े या भारी सॉफ्टवेटर डाउनलोड न करें। और अगर इन्हें यूज करना आवश्यक हो तो बाकी कुछ सॉफ्टवेयर अनइंस्टॉल कर दें। ताकि लैपटॉप की स्पीड बनी रहे और वो बार बार हैंग न हो।

कार में डिवाइस न रखें

लंबी यात्रा के दौरान अक्सर ड्राइविंग करते वक्त या पीछे सीट पर बैठे-बैठे भी गैजेट्स का इस्तेमाल करते रहते हैं। लेकिन आपको अंदाजा नहीं होता कि आपकी कार कितनी गर्म हो जाती है, भले ही कार कहीं पार्क की गई हो, तब भी सूरज की रोशनी कार पर 40 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ पड़ रही होती है। इस हीट का असर कार के अंदर रखे गैजेट्स पर पड़ता है। खासतौर पर स्मार्टफोन और लैपटॉप पर। इसलिए ऐसा करने से बचने का प्रयास करें।

कवर हटाकर रखें

क्या आप गर्मी के दिनों में स्वेटर पहनना चाहेंगे, नहीं ना। इसलिए स्मार्टफोन को गर्मी में थोड़ा कूल रखने के लिए उसका कवर निकाल दें। इससे हीटिंग अधिक नहीं बढ़ेगी। चिलचिलाती गर्मी में मोबाइल पर ज्यादा लोड डालना आपके डिवाइस के लिए नुकसानदेय हो सकता है। इसलिए तेज गर्मी में मोबाइल पर हार्डकोर गेम्स जैसे रियल रेसिंग, नोवा आदि ना खेलें। इससे हार्डवेयर पर ज्यादा जोर पड़ता है और अधिक गर्मी पैदा होती है।

स्विच ऑफ करें लैपटॉप

लैपटॉप के अत्यधिक गर्म होने का एक कारण यह है कि उन्हें दिन में बहुत कम आराम मिलता है। कई लोगों की आदत होती है कि वे अपने लैपटॉप को सिर्फ स्लीप ऑफ कर देते हैं और इसे स्विच ऑफ नहीं करते। लेकिन इसका असर लैपटॉप की लाइफ पर पड़ता है। इसलिए उपयोग न होने पर लैपटॉप को पूरी तरह बंद कर दें।

बीच पर न करें इस्तेमाल

बीच पर ओकेजनल विजिट के दौरान जाने पर अपने लैपटॉप या स्मार्टफोन को साथ लेकर न जाएं। इसकी दो मुख्य वजह हैं। कई लोगों को यह बात नहीं पता होगी कि बीच पर तापमान सामान्यतः अधिक रहता है। ऐसा समंदर और रेत के कारण होता है। इसके अलावा बीच पर हवा के साथ रेत के महीन कण भी हवा में उड़ते रहते हैं। इस कारण लैपटॉप को प्रॉपर कूलिंग नहीं मिल पाती है।

एयर वेंट्स को साफ करें

लैपटॉप के एयर वेंट्स को साफ करते रहें। जिस तरह हमारे शरीर के लिए छिद्र जरूरी होते हैं उसी प्रकार लैपटॉप के लिए भी एयर वेंट्स जरूरी हैं। इनसे हीटिंग के दौरान गर्म हवा बाहर जाती रहती है। ये एयर वेंट्स लैपटॉप को कूल रखने में मदद करते हैं। इसलिए इसकी जांच करते रहें कि ये एयर वेंट्स पूरी तरह साफ हों। इससे आपके लैपटॉप की परफोर्मेंस हॉट समर में भी कूल रहेगी।

बेड पर न करें इस्तेमाल

लैपटॉप का सावधानी से उपयोग करने पर भी आप इसे गर्मी में सुरक्षित रख सकते हैं। इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि लैपटॉप को बेड पर रखकर इस्तेमाल न करें, क्योंकि बेड पर लैपटॉप रखने से इसके एयर वेंट्स बंद हो जाते हैं और गर्मी बाहर नहीं निकल पाती। इसलिए लैपटॉप को बेड पर रखकर इस्तेमाल न करें।

गैजेट्स की सफाई जरूरी

अपने पीसी का सीपीयू या लैपटॉप की बैटरी को भी साफ रखना बहुत जरुरी हैं क्योंकि अगर लैपटॉप की बैटरी में एक बार धूल जम गई तो सिस्टम के गर्म होने की संभवना बहुत बढ़ जाती हैं। अच्छा होगा की आप अपने लैपटॉप की बैटरी को हर दो या तीन महीने बाद साफ करते रहे। लैपटॉप की बैटरी या सीपीयू को साफ करने के लिए उन्हें सब से पहले सिस्टम से अलग करें।फिर एयर से ब्लो करें।ब्लो करने से अंदर की डस्ट निकल जाती है। जब आप सीपीयू के फैन की सफाई करें तो ध्यान रहें एयर का प्रेशर कम रहे।

इन बातों का रखें ध्यान

- गर्मियों में स्मार्टफोन पर हल्के वॉटरप्रूफ या स्क्रैचप्रूफ कवर का इस्तेमाल करें।
- कोशिश करें कि फोन पर लेदर या प्लास्टिक का कवर न लगाए। इस बैटरी में ओवरहिटिंग और स्मार्टफोन खराब होने की आशंका रहती है।
- गर्मियों में स्मार्टफोन या अन्य गैजेट्स को अचानक ज्यादा ठंडे से गर्मी वाले तापमान में ले जाने से बचे। इसके लिए थोड़े समय डिवाइस को बंद करें और फिर सामान्य तापमान में दोबारा खोलें।
- लैपटॉप आदि डिवाइस अगर ज्यादा गर्म हो जाए तो उन्हें गीले कपड़े से नहीं पोछे। 15 मिनट तक डिवाइस को बंद कर डिवाइस का तापमान सामान्य करने के लिए 15 मिनट का शट डाउन समय का समय स्टैंडर्ड माना जाता है।

ये गैजेट्स रखेंगे आपको कूल

मई में मौसम इतना गर्म होता है कि इसकी तपन को सहन करना नामुमकिन होता है। हम शुक्रगुजार है टेक्नोलॉजी के जिसने हमें गर्मी की तपन से बचने के लिए एसी और कूलर की तरह कई ऐसे गैजेट्स दिए हैं, जिनकी मदद से हम गर्मी को दूर कर सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे गैजेट्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो ऐसी जगह आपकी मदद करेंगे जहां एसी और कूलर न हों।

स्कायलियो फैन

अगर आप इस गर्मी के मौसम कहीं ऐसी जगह फंस जाए। जहां आपके साथ सिर्फ आपका स्मार्टफोन ही हो। उस वक्त स्कायलियो फैन आपको उस गर्मी से निजात दिलाएगा। यह फैन स्मार्टफोन में आसानी से कनेक्ट हो जाता है और इसके ब्लेड भी सुरक्षित होते हैं। आप इसे यूएसबी और माइक्रो यूएसबी पोर्ट से जोड़ कर यूज कर सकते हैं। यह कई कलर्स में उपलब्ध होता है। जैसे-काला, सफेद, हरा, नारंगी, गुलाबी और नीला।

मीनी रेफ्रिजरेटर

अगर आप गर्मी से बहुत परेशान है और व्यस्तता के कारण ठंडा पानी पीने भी नहीं जा रहे हैं। जो जेनरिक मीनी पीसी यूएसबी रेफ्रिजरेटर आपके बहुत काम आएगा। यह आपको ठंडा पानी देगा इसे आप यूसबी केबल की मदद से आसानी से जोड़कर गर्मी में ठंडे पानी का लुत्फ उठा सकते हैं। इसमें हीटिंग का ऑप्शन भी दिया गया है।

यूएसबी क्लॉक फैन

यूएसबी क्लॉक फैन एक ऐसा गैजेट है जो आपको समय बताने के साथ-साथ ठंडी हवा भी देता है। यह एक ऐसे फ्लेक्सीबल मटेरियल से बना है कि आप इसे किसी भी तरह से एडजेस्ट कर सकते हैं। इसकी घड़ी को आप बंद भी कर सकते हैं उसके लिए आपको कॉफिरीगेशन सेटिंग में जाना होगा। इसे आप अपने किसी ऑफिस मेंबर या फ्रेंड को गिफ्ट भी दे सकते हैं।

सोलर पावर्ड फैन कैप

अगर आप क्रिकेट देखने जा रहे हैं या कहीं बाहर बैठकर काम करने वाले हैं तो यह गजब का गैजट है। धूप में आते ही इसके सोलर पैनल बिजली पैदा करना शुरू कर देते हैं और पंखा चेहरे पर हवा फेंकने लगता है। इसे सिर के साइज के हिसाब से अजस्ट किया जा सकता है। यह सिर्फ सूरज की रोशनी में काम करता है।

इन ब्राउजर की खासियत जानें...

ब्राउजर को भले ही कुछ लोग नजरअंदाज करते हों मगर सभी के फोन, कंप्यूटर और लैपटॉप में इसकी एक खास भूमिका होती है। अगर यह फोन या कंप्यूटर में इंस्टॉल नहीं रहता है तो आप इंटरनेट नहीं चला सकते। हालांकि इंटरनेट ब्राउजर की सही संख्या का पता लगाना मुश्किल है मगर कुछ ब्राउजर की अलग सेटिंग और फीचर उन्हें खास बनाते हैं। आइए यूजर के लिए उपयोगी साबित होने वाले ऐसी ही कुछ ब्राउजर के बारे में जानते हैं...

गूगल क्रोम

लगभग 50 अपडेट वर्जन जारी होने के बावजूद गूगल का यह ब्राउजर अपने आसान यूजर इंटरफेस की वजह से काफी लोकप्रिय है। साथ ही इसके फीचर भी लोगों को खूब भाते हैं। इस ब्राउजर की स्पीड फायरफॉक्स और ओपेरा ब्राउजर से तेज मानी जाती है। इसके सिंक फीचर को भी सराहा जाता है, जिसकी वजह से एक डिवाइस में बनाए गए बुकमार्क और ब्राउजिंग हिस्ट्री को यूजर अपने सभी डिवाइस में देख सकते हैं। हालांकि इसके लिए उन डिवाइसों में उनका जीमेल आईडी के जरिए लॉग-इन करना जरूरी है। दरअसल, यह जीमेल अकाउंट का उपयोग करता है। जब यूजर किसी कंप्यूटर या लैपटॉप पर क्रोम ब्राउजर में जीमेल आईडी से लॉग-इन करने के बाद सर्च करते हैं तो यह सर्चिंग हिस्ट्री जीमेल से खुद ब-खुद जोड़ देता है। फोन पर ब्राउजर में लॉग-इन करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि फोन जीमेल अकाउंट में पहले से लॉग-इन रहता है।

विवालदी

क्रोम ब्राउजर की तरह आसान यूजर इंटरफेस की ख्वाहिश रखने वाले इस विवालदी ब्राउजर को डाउनलोड कर सकते हैं। इसमें हाइबरनेट टैब फीचर है, जो पेज को ऑटो रिफ्रेश होने से रोकता है। इससे फोन, कंप्यूटर और लैपटॉप की बैटरी लाइफ बढ़ जाती है। साथ ही इंटरनेट डाटा की भी बचत होती है। ब्राउजिंग के दौरान नोट्स बनाने वाले छात्रों के लिए इसमें 'नोट्स पैनल' दिया गया है, जिसकी मदद से टेक्स्ट को कॉपी कर इस पर पेस्ट किया जा सकता है। विवालदी में स्क्रीनशॉट और यूआरएल लिंक सेव करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

माइक्रोसॉफ्ट एज

माइक्रोसॉफ्ट एज माइक्रोसॉफ्ट का नया ब्राउजर है। हालांकि यह सिर्फ विंडोज-10 और उससे ऊपर के वर्जन पर काम करता है। इसकी सेटिंग और फीचर को साइड पैनल पर क्लिक करके इस्तेमाल किया जा सकता है। यह फीचर टच कंप्यूटर या टैब का इस्तेमाल करने वाले लोगों के लिए खासा उपयोगी है। विवालदी जैसा नोट्स पैनल फीचर माइक्रोसॉफ्ट एज में भी दिया गया है। इस ब्राउजर पर बनाए गए नोट्स को दोस्तों के साथ शेयर भी किया जा सकता है। लॉन्च होने से पहले एज ब्राउजर का नाम प्रोजेक्ट स्पार्टन बताया जा रहा था।

ओपेरा ब्राउजर

अगर आप गूगल क्रोम और माइक्रोसॉफ्ट एज का उपयोग कर चुके हैं तो ओपेरा ब्राउजर का डिजाइन आपको दोनों का मिश्रण लगेगा। ओपेरा की खूबी यह है कि इसमें क्रोम एक्सटेंशन चलाए जा सकते हैं। साथ ही गलती से बंद हुए टैब को इसमें बड़ी ही आसानी से दोबारा खोला जा सकता है। साथ ही सामाचार पढ़ने के लिए भी इसमें अलग से फीचर दिया गया है, जिसके लिए सेटिंग में बदलाव करना जरूरी है। ओपेरा दुनिया का पहला ऐसा ब्राउजर है, जो नेटिव वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) की सुविधा देता है। कंपनी को सुरक्षित कनेक्शन देने का वादा करने वाला वीपीएन उद्योमियो के लिए बेहद उपयोगी फीचर है।

मोजिला फायरफॉक्स

कंप्यूटर यूजर मोजिला फायरफॉक्स का काफी इस्तेमाल करते हैं। इस ब्राउजर पर पुराने टैब को आसानी से खोल सकते हैं, जो आपके ब्राउजर बंद करते समय खुले हुए थे। उदाहरण के तौर जब आपने शाम को सोते वक्त ब्राउजर को बंद किया था, उसमें जो टैब खुले हुए थे, उन सभी टैब को दोबारा उठने के बाद एक क्लिक से खोजा सकता है। इसका दूसरा मुख्य फीचर 'सेव पॉकेट' है, जिससे आप ब्राउजिंग करते समय किसी भी पसंदीदा वेब पेज को भविष्य के लिए सेव कर सकते हैं। क्रोम की तरह मोजिला फायरफॉक्स भी एक्सटेंशन की सुविधा देता है। साथ ही इसमें प्राइवेट ब्राउजिंग का फीचर भी मौजूद है।

इंटरनेट एक्सप्लोरर

अगर आप अपने कंप्यूटर में क्रोम और मोजिला जैसे ब्राउजर का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करते हैं और आपकी पहली पसंद इंटरनेट एक्सप्लोरर है तो आप उसमें भी वेब पेज को ऑटोमैटिक रिफ्रेश कर सकते हैं। इसके लिए आपको टेब-ऑटो-रीलोड 1.0.17 डाउनलोड करना होगा। यह एप्लीकेशन इंटरनेट एक्सप्लोरर के 11वें वर्जन को सपोर्ट करता है। ब्राउजर में इसे इंस्टॉल करने के बाद आपको ऊपर वाली पट्टी में क्लिक करना होगा जिससे आप समय सेट करने का विकल्प आ जाएगा।

बॉक्सिंग सीखना चाहती हैं सऊदी महिलाएं...

सऊदी अरब के पब्लिक स्कूलों में लड़कियों को खेलकूद में भाग लेने की अनुमति नहीं होती है। इस कट्टरपंथी राजतंत्र में महिलाओं के अधिकार का यह मुद्दा हमेशा चर्चा में रहता है। यहां हाल ही में अधिकारियों ने महिला स्कूलों में खेलकूद को शामिल करने के लिए एक मंत्रिमंडलीय पैनल बनाया है। हाला अल होम्रानी इस बड़े कट्टरपंथी देश में महिलाओं को बॉक्सिंग सिखाने का व्यवसाय चलाती हैं। उन्होंने बॉक्सिंग की यह कला अमरीका में सीखी है। सऊदी अरब में फिटनेस सेन्टर खोलना एक चुनौतीपूर्ण काम है। इसलिए हाला ने फैसला किया कि वे किसी अधिकारी का इंतजार नहीं करेंगी, बल्कि वे इन महिलाओं को अपने माता-पिता के घर में ही ट्रेनिंग देंगीं। महिलाएं वास्तव में लड़ाई वाले इस खेल को सीखने के लिए उत्सुक दिखती हैं। व्यायाम करने के लिए यह एक बड़ा मौका है, लेकिन सऊदी अरब की हर महिला के पास यह मौका उपलब्ध नहीं है। सऊदी अरब में खेलकूद में महिलाओं की भागीदारी में दो बड़ी बाधाएं हैं, यहां का कानून और पैसा। सऊदी अरब के पब्लिक स्कूलों में महिलाओं को व्यायाम करने की अनुमति नहीं है। 2013 में राजा की एक सलाहकार समिति शुरा काउंसिल ने पब्लिक स्कूलों में लगे इस विवादास्पद प्रतिबंध को हटाने का सुझाव दिया था, लेकिन सरकार ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। निजी ट्रेनिंग के बाद सऊदी अरब की दो महिलाएं 2012 के लंदन ओलंपिक तक पहुंच गई थीं। यहां कई और ऐसी लड़कियां हैं, जिन्हें उन्मीद है कि इस साल रियो ओलंपिक में उससे भी ज्यादा महिलाएं भाग ले पाएंगीं। लेकिन बदलाव का इंतजार कर रही सऊदी अरब की लाखों लड़कियों के लिए यह अवसर इस दुनिया का हिस्सा बनने का मौका नहीं है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**